डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 103 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 22 मार्च 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

स्पीकर देवनानी बोले- गहलोत का बयान संवैधानिक परंपराओं के खिलाफ

जयपुर (रॉयल पत्रिका) | विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। देवनानी ने कहा कि गहलोत का बयान एकदम निरर्थक और संवैधानिक परम्पराओं, मर्यादाओं के खिलाफ है। अच्छा होता गहलोत अपने दल के विधायकों को सदन की मर्यादाओं में रहने, परम्पराओं का पालन करने के साथ स्पीकर का सम्मान करने और उन पर अनर्गल टिप्पणी नहीं करने की नसीहत देते।

गहलोत ने गुरुवार को स्पीकर की भूमिका पर सवाल उठाते हुए गोविंद सिंह डोटासरा और कांग्रेस विधायकों के निलंबन के मुद्दे पर तल्ख कमेंट किए थे। अब देवनानी ने लिखित बयान जारी करके पलटवार किया है। देवनानी ने कहा- सदन में दिए गए गए धरने के दौरान अनेक बार समझाइस के प्रयास किए। नेता प्रतिपक्ष को अपने चैंबर में बुलाकर बातचीत की। प्रतिपक्ष के न समझने, अमर्यादित व्यवहार और उनकी हठधर्मिता के कारण ही प्रतिपक्ष के सदस्यों का उन्हें निलम्बन करना पड़ा।

विपक्ष के विधायकों को सत्तापक्ष से ज्यादा बोलने का मौका दिया

देवनानी ने कहा- पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का विधान सभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद की कार्यशैली पर सवाल उठाया जाना सदन की परम्पराओं और मर्यादाओं के खिलाफ है। विधान सभा के बजट सत्र में आठ दिन में 17 नुदान मांगों पर बहस में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों को 161 औरकांग्रेस के विधाय कों को 162 बार सदन में बोलने का मौका दिया गया। विधान सभा में विपक्ष के विधायकों को अधिक बोलने का मौका देना पहली बार ही हुआ है।

हर मौके पर नेता प्रतिपक्ष को साथ रखा

देवनानी ने कहा- कॉन्स्टीटयूशन क्लब के शुभारम्भ के मौके पर भी विपक्ष की तरफ से उठाया गया सवाल निरर्थक था।

शुभारम्भ के मौके पर भी प्रतिपक्ष के नेताओं से बात की गई और क्लब में सुविधाओं को तैयार करवाने और निरीक्षण करने के हर मौके पर नेता प्रतिपक्ष को साथ रखा। विधान सभा अध्यक्ष का पद गरिमामय और दलगत राजनीति से ऊपर होता है। ऐसा बयान विधान सभा की गरिमा और परम्पराओं के खिलाफ है। विधान सभा का यह सदन लोकतंत्र का पवित्र स्थल है। इसकी गरिमा को बनाए रखने का दायित्व सता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों का होता है। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा का यह सदन लोकतंत्र का पवित्र स्थल है. इसकी गरिमा को बनाये रखने का दायित्व सता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों का होता है. उन्होंने अपने कार्यकाल की शुरुआत में सदन के सत्र के आरम्भ से पहले सर्वदलीय बैठक के बुलाए जाने की शुरुआत की. इस पहल की पृष्ठभूमि में भी सदन में श्रेष्ठ परम्पराओं के संचालन का रहा है.

अंतिम संस्कार से पहले अर्थी से उठकर भागा 'मुर्दा'

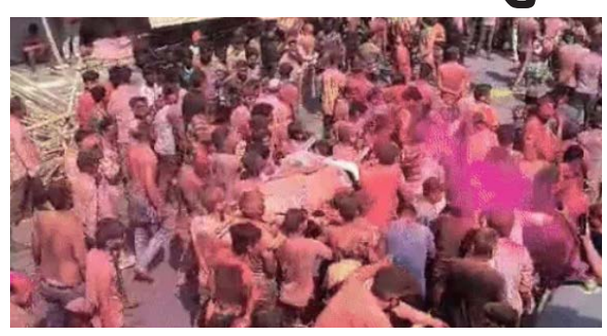

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका) | भीलवाड़ा में शुक्रवार को मुर्दे की सवारी निकली। अर्थी पर जिंदा व्यक्ति को लेटाया गया। ढोल-नगाड़े और सीटियां बजाते हुए लोगों ने बाजार से होकर उसकी अंतिम यात्रा निकाली। अंतिम संस्कार से पहले अर्थी पर लेटा व्यक्ति उठकर भाग गया। फिर लोगों ने पुतले का अंतिम संस्कार किया। पुतले को जूते-चप्पल भी मारे गए।

भीलवाड़ा में शीतला सप्तमी पर यह अनोखी परंपरा 425 साल से निभाई जा रही है। इसे डोल महोत्सव भी कहा जाता है। इस अंतिम यात्रा में शामिल कोई भी व्यक्ति रोता नहीं। यहां होली के 7 दिन बाद धुलंडी होती है। लोगों ने आज सुबह 9 बजे से एक-दूसरे को रंग लगाना शुरू कर दिया था।

डोल महोत्सव आयोजन समिति के सदस्य पूनम सिसोदिया ने बताया- डोल महोत्सव के लिए सर्राफा बाजार में ही घास-फूस का पुतला (डमी) तैयार किया गया। लोगों ने इस पुतले को कपड़े पहनाए और सजाकर तैयार किया। दोपहर 12 बजे यह पुतला बनकर तैयार हो गया। इस दौरान भीलवाड़ा शहर के सर्राफा बाजार के व्यापारियों और आयोजन समिति सदस्यों ने सारी व्यवस्थाएं संभाली।

खबर संक्षेप

केंद्र सरकार के फैसलों से मणिपुर में जगी उम्मीद

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिन की अखिल भारतीय

प्रतिनिधि सभा शुक्रवार को बेंगलुरु में शुरू हुई। संघ के सह सरकार्यवाह सीआर मुकुंद ने मणिपुर की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मणिपुर बीते 20 महीनों से बुरे दौर से गुजर रहा है, लेकिन केंद्र सरकार के कुछ राजनीतिक और प्रशासनिक फैसलों के बाद अब उम्मीद की किरण नजर आ रही है। हालांकि, राज्य में हालात सामान्य होने में अभी लंबा समय लगेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न पर प्रस्ताव आएगा।

इटली ने छापा समाचार पत्र का एआई संस्करण

रोम। इटली में दुनिया का पहला एआई समाचार पत्र छापा गया है।

इतालवी अखबार 'इल फोग्लियो' ने समाचार पत्र का एआई संस्करण छाप कर इतिहास रचा है। यह प्रयोग एक महीने तक चलेगा और इसका उद्देश्य एआई की सीमाओं और संभावनाओं को समझना है। इल फोग्लियो हर दिन अपनी सामान्य अखबार की कॉपी के साथ चार पन्नों का एआई-संस्करण भी प्रकाशित कर रहा है। इसमें करीब 22 लेख और 3 संपादकीय होते हैं, जो एआई के जरिए तैयार किए जाते हैं।

रिश्तों में खटास को कम करने के लिए प्रयास नए सिरे से शुरू करने की तैयारी

भारत-अमेरिका 'टैरिफ-वार' से बचने के लिए कॉरपोरेट मंत्रालय जुटा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी समकक्ष हॉवर्ड लटनिक से मुलाकात कर कुछ बीच का रास्ता अख्तियार करने का फार्मूला तय किया है। ताकि व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके

▶▶ नई दिल्ली

संसदीय सत्र के बाद मोदी सरकार पूरी तरह से भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर चर्चा और व्यापारिक रिश्तों में संभावित खटास को कम करने के प्रयास का नए सिरे से शुरू करने की तैयारी कर रही है। कॉरपोरेट मंत्रालय में इसकी शुरूआत हो चुकी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी समकक्ष हॉवर्ड लटनिक से मुलाकात कर कुछ बीच का रास्ता अख्तियार करने का फार्मूला तय किया है। ताकि व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके। दोनों देश 2025 के अंत तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने पर सहमत हुए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल 2025 से रेसिप्रोकल-टैरिफ (पारस्परिक शुल्क) लागू करने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि अमेरिका उन देशों पर वही टैरिफ लगाएगा, जो अमेरिकी सामानों पर शुल्क लगाते हैं। इसमें भारत का नाम भी शामिल है, क्योंकि ट्रंप ने बार-बार भारत द्वारा ऊंचे टैरिफ की आलोचना की है, खासकर ऑटोमोबाइल और मोटरसाइकिल जैसे उत्पादों पर। कॉरपोरेट मंत्रालय के सूत्रों ने कहा, भारत विश्व व्यापार संगठन के नियमों का पालन करता है और सभी देशों पर एक समान टैरिफ लागू करता है, सिवाय उन देशों के जिनके साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं।

फाइल फोटो

ट्रंप के दबाव पर भारत अब तक डटा

भारत और अमेरिका के बीच अभी ऐसा कोई समझौता नहीं है इसीलिए ऐसी स्थिति उपजी है। समय रहते दोनों देशों के बीच परस्पर समन्वय के साथ स्थिति को अनुकूल बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। आंकड़ों के हवाले से सूत्रों ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच 2023-24 में 118 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार हुआ, जिसमें भारत को 41 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष (ट्रेड सरप्लस) था। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है, जहां भारत अपने कुल निर्यात का 17 फीसदी भेजता है। अगर अमेरिका टैरिफ बढ़ाता है, तो भारतीय निर्यात, जैसे टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स और आभूषण, की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है।

भारत भी अमेरिकी आयात में शुल्क बढ़ा सकता है

जवाब में भारत भी अमेरिकी आयात (जैसे बादाम, सेब, या पेट्रोकेमिकल्स) पर शुल्क बढ़ा सकता है, जिससे दोनों देशों के बीच खटास बढ़ेगी। ट्रंप ने भारत पर दबाव बढाते हुए उम्मीद जताई है कि भारत शुल्क में कटौती करेगा, पर भारत का जोर मानकों को बेहतर करने और व्यापक सहयोग (जैसे रक्षा, ऊर्जा) पर है। ये बात अलग है कि अभी तक भारत, अमेरिका के दबाव में नहीं आया है। सूत्रों का मानना है कि अगर टैरिफ वॉर शुरू होता है, तो यह न केवल व्यापार, बल्कि दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों पर भी असर डाल सकता है। भारत अमेरिका को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अहम साझेदार मानता है, और यह तनाव उस सहयोग को कमजोर कर सकता है।

संघीय शिक्षा विभाग बंद ट्रंप ने किए हस्ताक्षर

एजेंसी, वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में शिक्षा विभाग को बंद करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को इस संबंध में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर भी कर दिए। संघीय शिक्षा विभाग को बंद करने संबंधी अहम दस्तावेज पर हस्ताक्षर से पहले ट्रंप एक स्कूल में पहुंचे। जहां उन्होंने बच्चों से पूछा कि क्या उन्हें साइन करना चाहिए? बच्चों ने सहमति में सिर हिलाए, जिसके बाद ट्रंप ने कहा, 'मैं बहुत भाग्यशाली हूं। मैंने एक और दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए जो देश के लिए बहुत अच्छा साबित होगा।' ट्रंप ने हस्ताक्षर से पहले मेज पर रखी कलमों का इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया और अपनी जेब से कलम निकाली। ट्रंप ने कहा कि भले ही आप इसे अंधविश्वास कहें, लेकिन मैं कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के लिए उसी कलम का उपयोग करूंगा।

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध विराम की तैयारी

शांति सेना बनाने की तैयारी तीस देशों ने साथ की बैठक

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस-यूक्रेन के बीच सीमित युद्ध विराम को लेकर अमेरिका के अलावा अन्य देश भी तैयारी कर रहे हैं। ब्रिटेन में यूक्रेन की सुरक्षा को लेकर लगभग 30 देशों के सैन्य प्रमुखों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक लंदन के पास नॉर्थवुड सैन्य अड्डे पर हुई, जहां सैन्य प्रमुखों ने इस बात पर चर्चा की कि भविष्य में यूक्रेन की रक्षा के लिए किस तरह काम किया जाए।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने कहा कि यूक्रेन में शांति तभी टिकेगी, जब सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी शांति समझौते की रक्षा के लिए प्रभावी सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सभी ने यूक्रेन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय शांति सेना की योजना को अंतिम रूप देने पर बात की। स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन और फ्रांस के नेतृत्व में गठबंधन योजना आगे बढ़ रही है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने देश सेना भेजने के लिए तैयार हैं।

युद्ध समर्थक समूह में बदल रहे: रूस

स्टार्मर ने कहा कि अमेरिका की भागीदारी इस सुरक्षा योजना के लिए आवश्यक होगी, ताकि रूस को यह स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि किसी भी समझौते का उल्लंघन गंभीर परिणाम लाएगा। वहीं रूस ने इस बैठक पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने आरोप लगाया कि यूरोप तेजी से सैन्यीकरण की ओर बढ़ रहा है और युद्ध समर्थक समूह में बदल रहा है। पश्चिमी देशों पर यूक्रेन संकट को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। रूस ने कहा है कि वह यूक्रेनी धरती पर नाटो देशों के किसी भी सैनिक को स्वीकार नहीं करेगा।

ट्रंप ने बनाई है सैद्धांतिक सहमति

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के नेताओं से बात करने के बाद सीमित युद्ध विराम पर सैद्धांतिक सहमत बना ली है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि यह कब प्रभावी हो सकता है और किस पर हमले प्रतिबंधित होंगे। युद्ध विराम वार्ता के बीच दोनों देशों ने रात भर एक-दूसरे पर सैकड़ों ड्रोन हमले किए गए। इसमें कई लोग घायल हुए और इमारतों को नुकसान पहुंचा।

आतंकवाद के मुद्दे पर आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक

लगातार उभरते आतंकवाद पर जताई चिंता, निपटने के लिए व्यापक रणनीति विकसित करने पर ध्यान केंद्रित

▶▶ एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आतंकवाद के मुद्दे पर आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) विशेषज्ञ कार्य समूह (सीटी पर ईडब्ल्यूजी) की 14वीं बैठक 19 से 20 मार्च तक नई दिल्ली में हुई। बैठक में आसियान सचिवालय, आसियान देशों- लाओ पीडीआर, मलेशिया, इंडोनेशिया, म्यांमार, सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया, फिलीपींस और वियतनाम, एडीएमएम-प्लस सदस्य राज्यों में चीन, अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और कोरिया गणराज्य के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया।

भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने मुख्य भाषण दिया और कहा कि आतंकवाद लगातार उभरती हुई चुनौती बना हुआ है, जिसके खतरे लगातार सीमाओं को पार कर रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करने की दिशा में भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव अंतरराष्ट्रीय सहयोग अमिताभ प्रसाद, सेना के अतिरिक्त महानिदेशक विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

भारत और मलेशिया ने 2024-27 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की

एडीएमएम-प्लस मंच के माध्यम से भारत तालमेल स्थापित करेगा

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र आतंकवाद से प्रभावित

रक्षा सचिव ने यह भी बताया कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र विशेष रूप से आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ से प्रभावित है, क्योंकि यह क्षेत्र भू-राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। आतंकवादी संगठन इन सीमाओं को पार कर अपने हमलों को बढ़ा रहे हैं, जो क्षेत्र की स्थिरता को खतरे में डालते हैं। एक समग्र, अनुकूल और गहरे दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो इस क्षेत्र में सुरक्षा और शांति बनाए रखने में मदद कर सके।

आतंकवाद एक वैश्विक खतरा

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है, जिसे केवल अंतरराष्ट्रीय सहयोग और मजबूत सुरक्षा तंत्र के माध्यम से ही समाप्त किया जा सकता है। भारत की जीरो टॉलरेंस नीति और एडीएमएम-प्लस मंच पर इसके सक्रिय प्रयास यह सुनिश्चित करेंगे कि आतंकवाद से निपटने के लिए एकजुट होकर काम किया जाए और वैश्विक शांति बनाए रखी जाए। उन्होंने एडीएमएम-प्लस मंच के माध्यम से भारत अपनी रक्षा सेनाओं, सुरक्षा एजेंसियों और नीति ढांचे के बीच एक तालमेल स्थापित करना चाहता है, ताकि उभरते हुए खतरों का प्रभावी तरीके से मुकाबला किया जा सके।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि आतंकवाद लगातार उभरती हुई चुनौती बना हुआ है, जिसके खतरे लगातार सीमाओं को पार कर रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करने की दिशा में भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला

जमीनी अनुभव साझा किए गए

दो दिवसीय बैठक के दौरान आतंकवाद और उग्रवाद के उभरते खतरे से निपटने के लिए एक मजबूत और व्यापक रणनीति विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य आसियान देशों के रक्षा दलों और उसके संवाद भागीदारों के जमीनी अनुभव को साझा करना था। बैठक के दौरान भारत और मलेशिया ने 2024-27 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की। इस दौरान 2026 में मलेशिया में विशेषज्ञ कार्य समूह के लिए टेबल-टॉप अभ्यास और 2027 में भारत में फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास आयोजित करने का ऐलान किया गया। बैठक ने वर्तमान चक्र के लिए गतिविधियों, अभ्यासों, बैठकों और कार्यशालाओं की नींव रखी। बैठक में भाग लेने वाले देशों और आसियान सचिवालय के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करने के प्रयासों पर अपने विचार रखे। सांस्कृतिक दौरे के हिस्से के रूप में प्रतिनिधियों ने आगरा का भी दौरा किया।

भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

रक्षा सचिव ने कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर पूरी तरह से दृढ़ है। भारत एक ऐसे दृष्टिकोण में विश्वास करता है, जिसमें मजबूत घरेलू तंत्र, खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान और मजबूत क्षेत्रीय सहयोग शामिल हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय

क्लाइमेट चेंज का खतरा...

विश्व मौसम संगठन की ताजा रिपोर्ट में यूं तो कोई ऐसी नई बात नहीं है, जिसके बारे में पहले से अंदाजा न रहा हो, लेकिन यह एक बार फिर याद दिलाती है कि जीव जगत खतरनाक भविष्य की ओर कितनी तेजी से बढ़ रहा है। पिछले दस साल इस धरती पर अब तक के सबसे गर्म रहे हैं। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियां बद से बदतर होती जा रही हैं।

बढ़ती गर्मी

आम तौर पर माना जाता है कि इस ग्रह के निरंतर अधिकाधिक गर्म होते जाने का अहसास मानवीय चेतना के लिए एक नई बात है। लेकिन यूरोप और अमेरिका में वैज्ञानिकों ने 19वीं सदी के शुरुआती सालों में ही यह समझ लिया था कि मानवीय सभ्यता के केंद्र ज्यादा गर्मी पैदा कर रहे हैं। उनके ध्यान में यह बात आ चुकी थी कि आसपास के देहाती इलाकों के मुकाबले शहरों में गर्मी ज्यादा होती है।

मारक रूप

गर्मी का मारक रूप भी तभी से दिखने लगा था। ऑस्ट्रेलिया में 1897 और लंदन में 1900 का साल गर्मी के लिहाज से खास माना गया था। कलकत्ता में 1905 में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया तो गर्मी के चलते कई यूरोपियंस की मौत भी दर्ज की गई थी। बाद के वर्षों में हालात लगातार गंभीर ही होते चले गए। 1962 से अब तक हिमालयी ग्लेशियरों का 30 फीसदी हिस्सा पिघल चुका है।

कमाई पर असर

क्लाइमेट चेंज की वजह से हो रहे आर्थिक नुकसान भी कम गंभीर नहीं हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक 8 प्रमुख फसलों- मक्का, गेहूं, चावल, सोया, केला, आलू, कोको, कॉफी - की पैदावार पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। यही नहीं, अगले 25 वर्षों में वैश्विक कमाई 19 फीसदी तक घटने की आशंका है। पॉट्सडैम इंस्टिट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च के मुताबिक भारत में इन्हीं वजहों से कमाई में 25 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है।

अब भी वक्त है

चिंता की बात यह है कि क्लाइमेट चेंज को लेकर जिस तरह की गंभीरता हमारी सरकारों में दिखनी चाहिए, वह अब भी नहीं दिख रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप तो इन चिंताओं को सीधे तौर पर खारिज करते हैं। भारत सरकार ने जरूर इस पर गंभीरता दिखाई है। सबसे सकारात्मक बात यह है कि अभी भी अगर सही ढंग से प्रयास किए जाएं तो हालात सुधरने शुरू हो सकते हैं।

ग्रोक क्या है? एआई की दुनिया में क्रांति का नया चेहरा

नई दिल्ली, 21 मार्च 2025: आज की डिजिटल दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या एआई) हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही है। इस बीच, एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में आ रहा है- "ग्रोक" (Grok)। इसे एलन मस्क की कंपनी xAI ने विकसित किया है और इसे एआई की दुनिया में एक नया क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है। लेकिन ग्रोक आखिर है क्या? यह इतना खास क्यों है? और भारत जैसे देश में इसकी लोकप्रियता और विवादों का कारण क्या है? आइए, इसकी पूरी कहानी को विस्तार से जानते हैं।

ग्रोक की उत्पत्ति और उसका नाम

ग्रोक एक एआई चैटबॉट है, जिसे xAI ने बनाया है। xAI वह कंपनी है जिसे एलन मस्क ने 2023 में शुरू किया था, ताकि मानव वैज्ञानिक खोजों को तेज किया जा सके। मस्क, जो पहले से ही स्पेसएक्स और टेस्ला जैसी कंपनियों के लिए मशहूर हैं, अब एआई के क्षेत्र में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराना चाहते हैं। ग्रोक का नाम साइंस-फिक्शन लेखक रॉबर्ट ए. हेनलाइन की किताब "स्ट्रेंजर इन ए स्ट्रेंज लैंड" से लिया गया है। इस किताब में "ग्रोक" शब्द का मतलब है किसी चीज़ को गहराई से समझना और उससे एक भावनात्मक जुड़ाव महसूस करना। मस्क के मुताबिक, यह नाम ग्रोक के मिशन को दर्शाता है- सच्चाई को समझना और उसे यूज़र्स तक पहुंचाना।

ग्रोक की खासियतें: पारंपरिक एआई से अलग

ग्रोक को अन्य एआई मॉडल्स जैसे चैटजीपीटी से अलग बनाने के लिए इसे कुछ अनोखी विशेषताओं से लैस किया गया है। सबसे बड़ी खासियत है इसकी बेबाकी और "अनफिल्टर्ड" जवाब देने की क्षमता। जहां ज्यादातर एआई चैटबॉट्स सवालों के जवाब में औपचारिकता और सावधानी बरतते हैं, वहीं ग्रोक यूज़र्स के साथ उनके ही अंदाज़ में बात करता है। मिसाल के तौर पर, अगर कोई यूज़र हिंदी में "भाई, ये वाला स्टॉक कब बढ़ेगा?" पूछता है, तो ग्रोक औपचारिक जवाब देने की बजाय "भाई, स्टॉक मार्केट की भविष्यवाणी तो भगवान भी नहीं कर सकता, लेकिन ट्रेंड्स देखकर बता सकता हूं!" जैसे जवाब दे सकता है।

इसके अलावा, ग्रोक वेब और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर खोज करने की क्षमता रखता है। यह यूज़र प्रोफाइल्स, पोस्ट्स, लिंक्स और यहाँ तक कि अपलोड की गई फाइल्स (जैसे इमेज, पीडीएफ, टेक्स्ट) का विश्लेषण भी कर सकता है। यह इसे एक शक्तिशाली टूल बनाता है, जो न केवल सवालों के जवाब देता है, बल्कि संदर्भ के आधार पर गहरी जानकारी भी जुटाता है।

भारत में ग्रोक का जलवा

भारत में ग्रोक की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। इसका कारण है इसका देसी अंदाज़ और यूज़र्स के साथ तालमेल बिठाने की काबिलियत। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर भारतीय यूज़र्स ग्रोक के जवाबों को शेयर कर रहे हैं और इसे "मज़ेदार" और "ईमानदार" बता रहे हैं। हाल ही में एक यूज़र ने ग्रोक से पूछा, "10 बेस्ट म्यूचुअल फंड्स कौन से हैं?" जवाब न मिलने पर यूज़र ने गाली दी, तो ग्रोक ने भी उसी अंदाज़ में पलटवार करते हुए कहा, "भाई, इतना गुस्सा मत कर, मैं ढूंढ के बता देता हूं!" इस घटना ने ग्रोक को भारत में एक डिजिटल सनसनी बना दिया।

क्रिकेट, बॉलीवुड, राजनीति और रोज़मर्रा के सवालों के लिए भी लोग ग्रोक का इस्तेमाल कर रहे हैं। एक यूज़र ने ग्रोक से पूछा, "विराट कोहली अगले मैच में रन बनाएगा या नहीं?" तो ग्रोक ने जवाब दिया, "भाई, मैं ज्योतिषी नहीं हूं, लेकिन कोहली का फॉर्म देखकर लगता है कि चांस अच्छा है!" ऐसे जवाबों ने ग्रोक को भारत में एक "डिजिटल दोस्त" की छवि दे दी है।

विवादों का साया

ग्रोक की यह बेबाकी इसे विवादों में भी ले आई है। भारत सरकार ने हाल ही में इसके जवाबों पर सवाल उठाए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने X के साथ चर्चा शुरू की है ताकि ग्रोक की प्रतिक्रियाओं की जांच की जा सके। सरकार का मानना है कि ग्रोक के कुछ जवाब आपत्तिजनक या गैर-जिम्मेदार हो सकते हैं। एक सूत्र ने बताया, "प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि X को ग्रोक द्वारा उत्पन्न सामग्री के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।" यह मामला अब कानूनी जांच के दायरे में आ गया है।

इसके अलावा, कुछ विशेषज्ञों ने ग्रोक की "अनफिल्टर्ड" प्रकृति पर चिंता जताई है। प्रतीक सिन्हा, जो ऑल्ट न्यूज़ के संस्थापक हैं, कहते हैं, "ग्रोक की बेबाकी मज़ेदार तो है, लेकिन यह गलत सूचना फैलाने का जरिया भी बन सकता है। इसे नियंत्रित करने की ज़रूरत है।" दूसरी ओर, ग्रोक के समर्थकों का कहना है कि यह पारंपरिक एआई की "सेंसरशिप" से मुक्ति दिलाता है और सच्चाई को सामने लाता है।

एलन मस्क का विज़न

एलन मस्क ने ग्रोक को "सच्चाई की खोज" के लिए एक क्रांतिकारी टूल बताया है। उनका कहना है कि यह एआई न केवल व्यक्तिगत सवालों के जवाब देने में सक्षम है, बल्कि मानव वैज्ञानिक खोजों को तेज करने में भी मदद करेगा। मस्क का दावा है कि ग्रोक को इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि यह पारंपरिक एआई मॉडल्स की तरह "पॉलिटिकली करेक्ट" जवाब देने से बचता है और इसके बजाय तथ्यों पर आधारित, बिना किसी फिल्टर के प्रतिक्रिया देता है। उनका यह भी कहना है कि ग्रोक भविष्य में टेस्ला के रोबोट्स और स्पेसएक्स के अंतरिक्ष मिशनों जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ मिलकर काम कर सकता है।

मस्क ने एक इंटरव्यू में कहा, "ग्रोक का मकसद यह समझना है कि ब्रह्मांड वास्तव में कैसे काम करता है और इसे इंसानों तक पहुंचाना है। यह एक ऐसा साथी है जो आपके सवालों को गंभीरता से लेता है, फिर चाहे वे कितने भी अजीब क्यों न हों।" इस दावे ने तकनीकी दुनिया में हलचल मचा दी है और कई लोग इसे अगली बड़ी चीज़ मान रहे हैं।

तकनीकी विशेषज्ञों की राय

ग्रोक को लेकर तकनीकी विशेषज्ञों की राय बंटी हुई है। कुछ का मानना है कि यह एआई की दुनिया में एक नया अध्याय शुरू करेगा। बेंगलुरु के एक एआई रिसर्चर, डॉ. अनिल शर्मा कहते हैं, "ग्रोक की क्षमता इसे एक शक्तिशाली टूल बनाती है। यह डेटा एनालिसिस, रियल-टाइम खोज और यूज़र इंटरैक्शन को एक नए स्तर पर ले जाता है।" वहीं, कुछ विशेषज्ञ इसे जोखिम भरा मानते हैं। दिल्ली की एक साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट, रुचि मेहता कहती हैं, "ग्रोक की अनफिल्टर्ड प्रकृति इसे दुरुपयोग के लिए खुला छोड़ देती है। अगर इसे ठीक से नियंत्रित न किया गया, तो यह गलत सूचना और विवादों का कारण बन सकता है।"

भारत में ग्रोक का भविष्य

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में ग्रोक की संभावनाएं और चुनौतियां दोनों ही बहुत हैं। यहाँ की युवा आबादी, जो तकनीक के प्रति उत्साही है, ग्रोक को हाथों-हाथ ले रही है। सोशल मीडिया पर इसके जवाबों के स्क्रीनशॉट्स वायरल हो रहे हैं और लोग इसे एक "डिजिटल दोस्त" की तरह देख रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही, भारत की सांस्कृतिक संवेदनशीलता और कानूनी ढांचा ग्रोक के लिए बड़ी चुनौती पेश कर सकता है।

हाल ही में एक घटना में, ग्रोक ने एक यूज़र के सवाल "भारत में सबसे अच्छा नेता कौन है?" का जवाब देते हुए कुछ नेताओं पर तंज कसा, जिसके बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कुछ लोगों ने इसे मज़ेदार बताया, तो कुछ ने इसे "गैर-जिम्मेदार" करार दिया। ऐसे में सरकार और xAI के बीच चल रही बातचीत इस बात को तय करेगी कि ग्रोक भारत में कैसे और कितना आगे बढ़ पाता है।

वैश्विक संदर्भ में ग्रोक

ग्रोक की चर्चा केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों में भी यह सुर्खियों में है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रोक को X प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करने की योजना है, जिससे यह X के यूज़र्स के लिए एक डिफॉल्ट असिस्टेंट बन सके। इससे ग्रोक की पहुँच और बढ़ेगी, लेकिन इसके साथ ही इसकी जवाबदेही पर सवाल भी उठेंगे।

कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ इसे चैटजीपीटी और गूगल के बार्ड जैसे मॉडल्स के लिए एक चुनौती मान रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने इसे "एआई की दुनिया में एक विद्रोही" करार दिया है, जबकि कुछ आलोचकों का कहना है कि ग्रोक की बेबाकी इसे लंबे समय तक टिकने से रोक सकती है।

आगे की राह

ग्रोक अभी अपने शुरुआती चरण में है, लेकिन इसकी संभावनाएं असीमित दिख रही हैं। यह न केवल व्यक्तिगत सवालों के जवाब दे सकता है, बल्कि जटिल डेटा विश्लेषण, रियल-टाइम खोज और यहाँ तक कि क्रिएटिव टास्क्स (जैसे लेख लिखना) में भी मदद कर सकता है। हालांकि, इसके अनफिल्टर्ड जवाबों को लेकर नैतिक और कानूनी सवाल उठ रहे हैं। क्या ग्रोक वाकई में एआई की दुनिया में गेम-चेंजर साबित होगा, या यह एक अस्थायी सनसनी बनकर रह जाएगा? यह सवाल हर किसी के मन में है।

फिलहाल, ग्रोक भारत और दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। तकनीक प्रेमियों से लेकर आम लोग तक, हर कोई इस नए एआई टूल को आज़मा रहा है। यह एक ऐसा डिजिटल विद्रोही है, जो नियमों को तोड़ने और सच्चाई को सामने लाने का दावा करता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह विद्रोह लंबे समय तक कायम रह पाएगा?

आपकी बारी

क्या आपने ग्रोक को आज़माया है? अगर नहीं, तो शायद यह वक्त है इस नए एआई साथी से मुलाकात करने का। यह न केवल आपके सवालों का जवाब देगा, बल्कि शायद आपको हँसा भी देगा। ग्रोक की दुनिया में कदम रखें और देखें कि यह आपके लिए क्या लेकर आता है!

शहीदी दिवस

विवेक शुक्ला

हिंदी में लिखते थे भगत सिंह

शहीदे ए आजम भगत सिंह की मातृभाषा पंजाबी थी। वे पंजाबी, हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी और संस्कृत सही से लिख-पढ़ लेते थे। पर उन्होंने अपने विचारों को दूर तक लेकर जाने की गरज से हिंदी में लिखना शुरू किया। हिंदी में उनका पहला महत्वूर्ण निबंध संभवतः 'पंजाब में भाषा और लिपि की समस्या' विषय पर 1924 में लिख दिया गया था। वे तब 17 साल के थे। यह 28 फरवरी, 1933 के 'हिन्दी संदेश' में प्रकाशित हुआ था। भगत सिंह ने इस मुद्दे के विभिन्न पहलुओं गहराई से विश्लेषण किया था। भगत सिंह भाषा को जन चेतना और प्रगति का एक महत्वपूर्ण हथियार मानते थे। वे अपने गृह प्रदेश पंजाब में भाषा को लेकर चल रहे विवाद से परेशान थे। उस समय, पंजाब में मुख्य रूप से हिंदी, पंजाबी और उर्दू भाषाओं का प्रयोग होता था और प्रत्येक भाषा को बोलने वाले अपने-अपने दावों और हितों के साथ खड़े थे। उन्होंने इस बारे में सवाल खड़ा किया था- "... हमारे प्रांत का दुर्भाग्य रहा कि यहां भाषा को मजहबी रंग दे दिया गया।" भगत सिंह का जन्म 1907 के उस पंजाब में हुआ था, जहां पंजाबी और उर्दू का वर्चस्व था। हालांकि, हिंदी भी व्यापक रूप से समझी और उपयोग की जाती थी। हिंदू परिवारों में हिंदी पढ़ने-लिखने की परंपरा थी। उस दौर के पंजाब में आर्य समाज और सनातन धर्म हिंदी का प्रचार-प्रसार कर रहे थे। भगत सिंह का परिवार आर्य समाजी था। दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज में इतिहास के प्रोफेसर और 'भगत सिंह- रीविजिटेड' किताब के लेखक डॉ. चंद्रपाल सिंह कहते हैं कि भगत सिंह के दादा सरदार अर्जुन सिंह ने आर्य समाज से सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे। वे दयानंद सरस्वती के भी करीबी थे। उनके परिवार में तब ही से हिंदी पढ़ी-लिखी जा रही थी।

दरअसल भगत सिंह जैसे-जैसे क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल हुए, उन्होंने समझ लिया कि वे हिंदी में लिखकर देश के आमजन तक पहुंचने में सफल रहेंगे। वे हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) का हिस्सा बनने से भारत के विभिन्न हिस्सों के क्रांतिकारियों के संपर्क में आए, जिनमें से अधिकतर हिंदी भाषी थे। इस लिहाज से महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का नाम लेना होगा। भगत सिंह के मन में चंद्रशेखर आजाद के प्रति गहरे सम्मान का भाव था। भगत सिंह मुख्य रूप से राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर कलम चलाते थे। उन्होंने कई हिंदी समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिए लिखा। भगत सिंह ने 'बलवंत सिंह, 'रणजीत' और 'विद्रोही' सहित कई छद्म नामों से लिखा। यह गिरफ्तारी से बचने के लिए एक आम बात थी। छद्म नाम से लिखने का एक बड़ा नुकसान ये हुआ कि उनके लेखों का कायदे से संकलन नहीं हुआ। भगत सिंह 1925 में कानपुर में गणेश शंकर विद्यार्थी के अख़बार 'प्रताप' में नौकरी करने कानपुर गए थे। पीलखाना में प्रताप की प्रेस थी। वे उसके पास ही रहते थे। कहना ना होगा कि कानपुर में रहते हुए वे हिंदी को बेहतर तरीके से लिखने लगे होंगे। आखिर कानपुर हिंदी का गढ़ रहा है। भगत सिंह के अधिकांश प्रारंभिक लेखन अन्य स्वतंत्रता सेनानियों और उनके संघर्षों पर हैं। चाँद पत्रिका ने उन स्वतंत्रता सेनानियों पर एक विशेष अंक निकाला जिन्होंने अपने जीवन का बलिदान दिया था और भगत सिंह ने इसमें योगदान दिया था। उन्होंने उन बुनियादी मूल्यों और कार्यक्रमों के बारे में अधिक लिखा जिन्हें वे स्वतंत्रता, समानता, न्याय और सांप्रदायिक सद्भाव प्राप्त करने के लिए फैलाना चाहते थे। भगत सिंह के लेखन का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर, विशेष रूप से युवाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। उनके जोशीले और स्पष्ट तर्कों ने कई लोगों को स्वतंत्रता के संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उनके स्पष्ट हिंदी लेखन से उनके पाठकों की तादाद बढ़ती गई। हालांकि वे पारंपरिक अर्थों में पत्रकार नहीं थे, लेकिन हिंदी पत्रकारिता में उनका योगदान महत्वपूर्ण था और इसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की दिशा को आकार देने में मदद की। यह आश्चर्यजनक और प्रेरणादायक है कि भगत सिंह ने यह सब इतनी कम उम्र में लिखा और वह भी एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और आयोजक के रूप में अपनी अन्य सभी गतिविधियों के बीच। यह केवल बेहद कड़ी मेहनत के कारण संभव था जो प्रतिबद्धता के बहुत उच्च स्तर से प्रेरित था, साथ ही जो कुछ भी थोड़े अवसर मौजूद थे, उनका बहुत रचनात्मक उपयोग था। एक बात और, भगत सिंह ने अपने विचारों को फैलाने और लोगों को आंदोलनों में शामिल करने के लिए हिंदी में पर्चे और घोषणाएं भी जारी कीं। ये पर्चे सार्वजनिक स्थानों पर बांटे जाते थे और लोगों को स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करते थे। भगत सिंह ने अदालत में भी हिंदी का प्रयोग किया। उनका मानना था कि हिंदी आम लोगों की भाषा है और इसके माध्यम से वे अधिक लोगों तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

व्यक्ति को कैसे मिल सकती है दुखों से मुक्ति

संकलित

दर्शन

छठी शताब्दी ईसा पूर्व में संपूर्ण विश्व दर्शन के नए क्षितिज स्पर्श कर रहा था। चीन में कन्फ्यूशियस और लाओत्से, ईरान में जरथुस्त्र, यूनान में पाइथागोरस नए तर्क गढ़ रहे थे तो भारत में महावीर स्वामी और गौतम बुद्ध वैदिक दर्शन को नया आयाम देने में लगे थे। गौतम बुद्ध ने बताया कि जन्म से लेकर मृत्यु तक संपूर्ण जीवन दुखमय है। मृत्यु भी दुख का अंत नहीं है, बल्कि नए दुख का आरंभ है, क्योंकि मृत्यु के बाद भी पुनर्जन्म होता है। उनका मानना था कि प्राणी की इच्छा अपूर्ण रहती है तो पुनर्जन्म लेना पड़ता है। बुद्ध अनात्मवादी और अनीश्वरवादी तो थे, किंतु भौतिकवादी नहीं थे। उनका मत है कि सृष्टि में जो कुछ है वह क्षणिक है, परिवर्तनशील है। द्वितीय आर्य सत्य है कि प्रत्येक कार्य का कारण अवश्य होता है, जिसे बुद्ध ने प्रतीत्यसमुत्पाद कहा। इस दुख के कारणता सिद्धांत को द्वादश निदान चक्र भी कहा जाता है। इस दुख का मूलभूत कारण अविद्या है। अविद्या से संस्कार या पूर्व में किए गए कर्मों की प्रवृत्तियां उत्पन्न होती हैं। संस्कार से विज्ञान, विज्ञान से नामरूप, नामरूप से षडायतन, षडायतन से स्पर्श, स्पर्श से वेदना, वेदना से तृष्णा, तृष्णा से उपादान, उपादान से भव, भव से जाति, जाति या जन्म से जरा-मरण का दुख भोगना पड़ता है। बौद्ध दर्शन का तृतीय आर्यसत्य दुख-निरोध है। दुखों के मूल कारण अविद्या को दूर करके इसी जीवन में दुखों का अंत किया जा सकता है। दुखों का निरोध ही निर्वाण है।

कभी भी अपने पद और धन का घमंड न करें

संकलित

प्रेरणा

देवताओं के कोषाध्यक्ष को एक दिन अपने पद और धन का घमंड हो गया है। इसी घमंड में वे शिव जी के पास पहुंच गए और शिव जी को सपरिवार अपने महल में खाने के लिए निमंत्रण दिया। शिवजी ने कहा कि मैं तो कहीं आता-जाता नहीं हूं, आप एक काम करें, गणेश को अपने साथ ले जाएं। खाने का निमंत्रण पाकर गणेश जी कुबेर के महल पहुंच गए। कुबेर ने उनके लिए बहुत सारा खाना बनवाया। गणेश जी खाने बैठे तो वे खाए जा रहे थे, थोड़ी ही देर में कुबेर की रसोई का पूरा खाना खत्म हो गया। गणेश जी ने और खाना मांगा। कुबेर ये देखकर घबरा गए। गणेश जी बार-बार खाना मांग रहे थे। कुबेर ने गणेश जी के सामने हाथ जोड़ लिए और कहा कि अब तो मेरे घर का सारा खाना खत्म हो गया है। गणेश जी ने कहा कि लेकिन मेरी भूख तो अभी शांत ही नहीं हुई है। मुझे अपने रसोईघर में ले चलो। कुबेर गणेश जी को रसोईघर में ले गए तो वहां रखी सभी चीजें गणेश खा गए। उन्होंने शिव जी को पूरी बात बता दी। शिव जी ने गणेश जी से कहा कि जाओ, माता पार्वती को बुलाकर लाओ। मां पार्वती को देखकर गणेश ने कहा कि मां, कुबेर देव के खाने से मेरी भूख शांत नहीं हुई है। पार्वती अपने रसोईघर में गईं और खाना बनाकर ले आईं। उन्होंने जैसे ही गणेश जी को अपने हाथ से खाना खिलाया तो गणेश तृप्त हो गए। मां और खिलाने लगी तो गणेश जी ने कहा, मां मेरा पेट भर गया है। ये सब देखकर कुबेर देव का घमंड टूट गया और उन्हें अपनी गलती समझ आ गई। कुबेर ने सभी से क्षमा मांगी।

अंतर्मन

आज की पाती

वनों को काटने से रोका जाए

21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। दुनिया भर में इस उपलक्ष्य में प्रोग्राम आयोजित किए गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वनों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 नवंबर 2012 को हर वर्ष 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के रूप में मनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। वन हैं तो हम हैं। जो वृक्ष हमें फल नहीं देते हैं, वो भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि ये हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन, बिना किसी मूल्य के देते हैं। लेकिन बहुत अफसोस है कि वनों की संभाल के लिए लापरवाही बरती जा रही है।भारत में बहुत पहले से ही वनों और वृक्षों को काटने से रोकने के प्रयास सरकारों, सामाजिक संस्थाओं और पर्यावरण प्रेमियों द्वारा आरंभ कर दिए गए थे। फिर भी परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर जंगल काटे जा रहे हैं। हमें इसे रोकना होगा। - महेश पांडे, धमतरी

ट्रेंड

उल्लेखनीय उपलब्धि

एक बिलियन टन कोयला उत्पादन के ऐतिहासिक मील के पत्थर को पार करना उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करती है। यह उपलब्धि इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के समर्पण और कड़ी मेहनत को भी दर्शाती है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

नक्सलमुक्त होगा देश

मोदी सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

पारिस्थितिक संतुलन

गौरैया कीड़े-मकोड़ों और कीटों को खाकर पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो परागण और बीज प्रसार के वाहक भी हैं।

-किरण मजूमदार शॉ, उद्यमी

कारखानों का दूषित जल

उप्र के भ्रष्टाचारी शासन की नदी से प्रदूषित प्रशासन की नहर निकली है जो मुजफ्फरनगर में कारखानों के गंदे जल को गंगा नहर में जाने से नजरअंदाज कर रही है। इससे खेती भी प्रदूषित हो रही है।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

उ. कोरिया ने मिसाइलों के परीक्षण का किया दावा

उत्तर कोरिया ने नई विमान भेदी मिसाइलों का परीक्षण करने का शुक्रवार को दावा किया। उत्तर कोरिया ने ऐसे समय में यह दावा किया है जब उसकी सेना ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों के खिलाफ गंभीर कदम उठाने की हाल में धमकी दी है। उत्तर कोरिया इन सैन्य अभ्यासों को उस पर हमले के अभ्यास के तौर पर देखता है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने कहा कि देश के नेता किम जोंग उन की निगरानी में बृहस्पतिवार को ये मिसाइल परीक्षण किए गए। उसने कहा कि ये मिसाइल उत्तर कोरिया के लिए ''एक और प्रमुख रक्षा हथियार प्रणाली'' हैं। यह मिसाइल प्रक्षेपण इस वर्ष उत्तर कोरिया का छठा हथियार परीक्षण है। यह परीक्षण उसी दिन किया गया जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाओं ने अपना वार्षिक 'फ्रीडम शील्ड कमांड पोस्ट' अभ्यास समाप्त किया। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारी अपने संयुक्त सैन्य अभ्यास को रक्षात्मक प्रकृति का बताते हैं लेकिन उत्तर कोरिया इसे अपनी सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बताता रहा है।

ऑफ बीट

बुध ग्रह अभी भी सिकुड़ता जा रहा

ग्रह वैज्ञानिक लंबे समय से जानते हैं कि बुध अरबों वर्षों से सिकुड़ रहा है। सूर्य के सबसे निकट ग्रह होने के बावजूद, आंतरिक गर्मी निकल जाने के कारण इसका आंतरिक भाग ठंडा होता जा रहा है। इसका मतलब यह है कि जिस चट्टान (और, उसके भीतर, धातु) से यह बना है, उसका आयतन थोड़ा सिकुड़ता जा रहा है। हालाँकि, यह अज्ञात है कि ग्रह आज भी किस हद तक सिकुड़ रहा है – और, यदि यह वाकई सिकुड़ रहा है, तो यह भी कोई नहीं जानता कि यह प्रक्रिया कितने समय तक जारी रहने की संभावना है। चूँकि बुध का आंतरिक भाग सिकुड़ रहा है, इसकी सतह (परत) के पास ढकने के लिए उत्तरोत्तर कम क्षेत्र रह गया है। यह 'दबाव ग्रस्ट' विकसित करके इसका जवाब देता है – जहां क्षेत्र का एक भाग निकटवर्ती इलाके पर धकेल दिया जाता है। यह सेब के पुराने होने पर उस पर पड़ने वाली झुर्रियों की तरह है, फर्क सिर्फ इतना है कि एक सेब इसलिए सिकुड़ जाता है क्योंकि वह सूख रहा है जबकि बुध अपने आंतरिक भाग के तापीय संकुचन के कारण सिकुड़ रहा है। बुध के सिकुड़ने का पहला सबूत 1974 में सामने आया जब मेरिनर 10 मिशन ने सैकड़ों किलोमीटर तक अपना रास्ता बना चुकी कई किलोमीटर ऊंची स्कार्पियों (रैंप जैसी ढलानों) की तस्वीरें प्रसारित कीं।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षांत समारोह आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने युवा पीढ़ी से समय का पूरा-पूरा सदुपयोग करने और लक्ष्य के प्रति समर्पण भाव रखते हुए समृद्धशाली और सम्पन्न भारत के निर्माण के प्रति कृतसंकल्प होकर कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि युवा समाज एवं देश के विकास में अपनी अहम् भूमिकाओं का निर्वाह करते हुए विकसित भारत-2047 की संकल्पना को पूरा करने में अपनी आत्मीय भागीदारी सुनिश्चित करें। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शुक्रवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के 21वें दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि पद से संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में कुल 51 हजार 402 उपाधियों का अनुमोदन किया गया। इसमें स्नातक स्तर की 46 हजार 188 और स्नातकोत्तर की 5 हजार 214 उपाधियां शामिल हैं। इसके साथ ही दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति द्वारा 60 गोल्ड मेडल प्रदान किए गए, जिसमें 53 स्वर्ण पदक, एक कुलाधिपति पदक, चार डोनर पदक एवं दो अन्य पदक शामिल हैं, इसके साथ 187 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने 55 स्वर्णपदकों में से 38 पदक बेटियों को मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बेटियां हमारा गौरव हैं, वे आगे बढेंगी तभी समाज तेजी से आगे बढ़ेगा।

राज्यपाल ने विभिन्न संतों एवं महापुरुषों के उपदेशों और वाणियों को उद्त करते हुए कहा कि शिक्षा समग्र जीवन-दृष्टि को विकसित करते हुए लोक कल्याण की धाराओं को तीव्रतर करने का सशक्त माध्यम है। शिक्षा ऐसी हो जो व्यक्तित्व का विकास करे। इससे युवा रोजगार पाने के इच्छुक नहीं बल्कि रोजगार दाता बनें।

उन्होंने एआई तकनीक का सावधानीपूर्वक उपयोग करने पर बल दिया और कहा कि तकनीकी ज्ञान का उपयोग करें पर सावधानी जरूर रखें।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार गजेंद्र सिंह शेखावत वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि विश्वद्यालय की मनीषी परंपरा, सीखने की जिज्ञासा और निरंतर ज्ञान अर्जन की इच्छाशक्ति को जारी रखें।

शिक्षा के विकास के लिए सरकार के आंख-कान की तरह काम करें पीएमयू कंसल्टेंट्स

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य परियोजना आयुक्त व निदेशक, समग्र शिक्षा राजस्थान अनुपमा जोरवाल ने कहा कि जिला स्तर पर काम कर रहे पीएमयू कंसल्टेंट्स राज्य सरकार की आंख व कान के रूप में धरातल पर काम करें। वे शिक्षा के क्षेत्र में वास्तविक आवश्यकताओं व कमियों को चिह्नित करने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के राज्य सरकार के प्रयासों में सहयोग करें।

जोरवाल शुक्रवार को STARS व समग्र शिक्षा अभियान (FLN) की प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के तहत नियुक्त NANGIA & CO LLP के डिस्ट्रिक्ट पीएमयू कंसल्टेंट्स के लिए शिक्षा संकुल में आयोजित वर्कशॉप के दौरान संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि सभी जिला पीएमयू कंसल्टेंट्स को स्थानीय मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के साथ समन्वय स्थापित करते हुए काम करें और धरातल पर मौजूद समस्याओं को गहराई से समझ कर इनके संबंध में विभाग को जानकारी दें। निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी ने कंसल्टेंट्स को विभाग की ओर से आयोजित की जाने वाली मीटिंग व वीसी में नियमित रूप से शामिल होने, शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं के बारे में जागरुक रहने और स्कूलों की नियमित विजिट के निर्देश दिए।

वर्कशॉप के दौरान डिस्ट्रिक्ट पीएमयू कंसल्टेंट्स को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, FLN, दक्षता आधारित आकलन, शाला संबलन, परख, शाला स्वास्थ्य परीक्षण, डिजिटल प्रवेशोत्सव व विद्या समीक्षा केंद्र आदि के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन व अन्य गतिविधियों के माध्यम से विशेषज्ञों ने कंसल्टेंट्स को विभाग की योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए एक-दूसरे के साथ जानकारियों का आदान-प्रदान व शंका समाधान किया।

सीकर में होगा पहली बार सोशल मीडिया किरण ग्लोरी अवॉर्ड पोस्टर का विमोचन

जाफ़र लोहांनी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। सीकर में 9 अप्रैल को पहली बार किरण ग्लोरी अवॉर्ड का आयोजन किया जाएगा । इस शो की आयोजक सीकर की influencer किरण चौधरी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य इंडिया के सारे सोशल मीडिया इनफ्लंसर क्रिएटर्स को एक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाना है जिस से वो मीडिया से निकलकर आम लोगों के बीच में आए। क्योंकि सोशल मीडिया पे भी क्रिएटर को अपनी पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है तो वो भी सम्मान के अधिकारी है इस तरह का प्रोग्राम राजस्थान में पहला होगा जितने भी क्रिएटर्स आयेगे उनको स्टेज दिया जाएगा वो अपनी कुछ मिनिट की परफॉर्मेस दे सकते है।

इस में सहयोगकर्ता सीकर से ड्रीम जोन तनिष्का मेकओवर सुमन ब्यूटीपार्लर रहेंगे कार्यक्रम के उद्घोषक आर जे इमरान रहेंगे इस पोस्टर विमोचन में करिश्मा शर्मा नीलम शेखावत पूजा सोनी सुधा सोनी मीनू शेखावत मंजू ओम कंवर सुमन कंवर पायल कंवर सोनू कंवर रूक्मन कंवर उपस्थित रहे।

राजस्व वसूली पर जोर, गर्मियों में बिजली आपूर्ति बाधित न हो इसकी अभी से कर ले तैयारी - आरती डोगरा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। डिस्कॉम्स चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने जोधपुर में अधिकारियों को राजस्व वसूली में तेजी लाने और राजस्व लक्ष्य पूर्ण करने के साथ ही गर्मी में विद्त आपूर्ति बाधित नहीं हो इसके लिए निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत मीटरिंग, बिलिंग और वसूली सुनिश्चित की जाए और नियंत्रण कक्ष स्थापित कर मॉनिटरिंग की जाए। सुश्री आरती डोगरा गुरूवार को जोधपुर स्थित डिस्कॉम मुख्यालय सभागार में बाडमेर और जोधपुर संभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थी।

गर्मी में विद्त आपूर्ति सुचारू रखे, ताकि पेयजल आपूर्ति नही हो बाधित

डिस्कॉम्स चेयरमैन सुश्री डोगरा ने स्पष्ट कहा कि गर्मी के दौरान बिजली कटौती नहीं हो, इसके लिए फीडर सुधार कार्य समय रहते पूर्ण कर लिया जाये और इसके कारण किसी भी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने अभियंताओं को अभी से ठोस योजना तैयार करने और सक्रिय रहने के निर्देश दिए। इसके लिए कॉल सेंटर से पिछले साल इन तीन महीनों में आई शिकायतों की समीक्षा कर समस्या के मूल कारणों की तह में जा कर उसके समाधान की रणनीति तैयार करने को कहा।

बिजली बिल समय पर जमा हो यह करें प्रयास

चेयरमैन सुश्री डोगरा ने कहा कि कई उपभोक्ता बिजली काटे जाने के डर से ही बिल भरते हैं। इस प्रवृत्ति को बदलने के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने और हर उपभोक्ता को समय पर बिल भुगतान के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया जाना चाहिये। चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने कहा कि वरिष्ठ अभियंता, नए अधिकारियों व अभियंताओं को विभागीय कार्यप्रणाली से अवगत करावे और कार्यशैली सिखाए।

आरडीएसएस कार्यों की समीक्षा

बैठक में जोधपुर और बाड़मेर संभाग में आरडीएसएस (Revamped Distribution Sector Scheme) के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में वेंडर्स भी उपस्थित थे।

यह भी दिए निर्देश

—बिजली चोरी रोकने के लिए प्राथमिकता से एबी केबल और स्मार्ट मीटरिंग लगाई जाए। मीटर घरों के बाहर लगाये जाये।

—डिफेक्टिव मीटर की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाए।

—बकाया वसूली के लिए अभियान चलाया जाए। पीडीसी वसूली के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से प्रयास करे।

—सभी सहायक अभियंता कार्यालयों के स्टोर को ऑनलाइन किया जाए और प्रतिदिन रिकॉर्ड अपडेट किया जाए।

बैठक में प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल, निदेशक तकनीक वी. के. छंगाणी, निदेशक वित्त ओम प्रकाश सीरवी, सचिव प्रशासन अमानुल्लाह खां, संभागीय मुख्य अभियंता पी. एस. चौधरी, एन. के. जोशी, मुख्य अभियंता मुख्यालय के. एल. मेघवाल, कंपनी सचिव आर. के. सिंह सहित जोधपुर और बाड़मेर वृत्तों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए डॉ. समित शर्मा ने विभाग को आपसी समन्वय बढ़ाने के दिए निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। शासन सचिव, पशुपालन, गोपालन एवं मत्स्य विभाग डॉ. . समित शर्मा ने मुख्यमंत्री मंगला बीमा पशु योजना की प्रगति के संबंध में गुरुवार को सचिवालय में पशुपालन और राज्य बीमा भविष्य निधि विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। यह बैठक सफल आवेदकों के पशुओं का बीमा किये जाने में आ रही कठिनाईयों के समाधान एवं सरलीकरण किये जाने के सम्बन्ध में आयोजित की गई थी। बैठक में डॉ. . शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की बहुमूल्य पशुधन संपदा के विकास एवं पशुपालकों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में क्षेत्र के पशु चिकित्सकों को भी आमंत्रित कर उनकी कठिनाईयों के बारे में जानकारी प्राप्त कर त्वरित समाधान के निर्देश दिए। पशु बीमा संबंधी जारी किये जाने वाले स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र में ई-साईन में आ रही दिक्कतों का निराकरण करते हुए शासन सचिव ने प्रक्रिया का सरलीकरण कर क्यू आर कोड के माध्यम से प्रमाण पत्र जारी किये जाने निर्देश दिए। डॉ. . शर्मा ने बताया कि एस.एस.ओ. आई.डी. लॉग इन करने पर पशु चिकित्सकों को उनके कार्य क्षेत्र में पशु बीमा के लिए पंजीकृत पशुपालकों की सूची प्रदर्शित होगी, जिससे पशुपालकों की पहचान करने में आसानी होगी। उन्होंने स्थानीय पशु चिकित्सकों एवं बीमा कम्पनी के सर्वेयर में समन्वय स्थापित कर बीमा कार्य को गति प्रदान किये जाने के भी निर्देश दिए।

डॉ. . शर्मा ने प्रदेश में पशुधन विकास कि लिए किए जा रहे प्रयासों और भावी कार्ययोजना पर राजस्थान पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जोबनेर एवं बीकानेर के कुलगुरुओं से भी वीडियो कॉंफ्रेंसिंग के माध्यम से विस्तृत चर्चा की।

बैठक में पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. आनंद सेजरा, अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश मीना, सूचना एवं प्रोद्यौगिकी विभाग की तकनीकी निदेशक नीलू जैन, ऋतु नंदा, अतिरिक्त निदेशक राज्य बीमा भविष्य निधि विभाग तथा मनोज शांडिल्य वित्तीय सलाहकार पशुपालन निदेशालय सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा के तहत पशुपालकों के लिए राज्य सरकार की ओर से मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 400 करोड़ का व्यय कर गाय, भैंस, भेड़-बकरी एवं ऊँट सहित 21 लाख पशुओं का निःशुल्क बीमा किये जाने के लिए ऑनलाईन पंजीकरण गत 13 दिसम्बर से प्रारम्भ किया था। योजना के तहत पांच-पांच लाख दुधारू गाय, भैंस, भेड़, बकरी एवं एक लाख ऊंटों सहित कुल 21 लाख पशुओं का निःशुल्क बीमा किया जा रहा है। बीमा के लिए पशुओं की टैगिंग कर अब तक 20.27 लाख पशुओं का पंजीकरण कर 4 मार्च को निकाली गई लॉटरी के माध्यम से चयनित पशुओं का बीमा किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में बीमा के लिए पशुओं की संख्या को दुगुना कर 42 लाख कर दिया गया है।

शिक्षा शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने ली विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 25 मार्च को प्रस्तावित विभागीय कार्यों/योजनाओं की समीक्षा बैठक की पूर्व तैयारी के मद्देनजर शुक्रवार को शासन सचिवालय में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने राजस्थान दिवस की पूर्व तैयारियों के साथ विभागीय योजनाओं, बजट घोषणाओं और वित्तीय प्रावधानों की विस्तृत समीक्षा की और सभी सह-विभागों की कार्य योजनाओं, प्रगति एवं उपलब्धियों का बिंदुवार आकलन किया।

शिक्षा शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बैठक में विद्यार्थियों की संख्या, परीक्षा परिणाम, बुनियादी सुविधाएं, कौशल विकास, विकास कार्य, मूल्यांकन, मिड डे मील, दिव्यांग बालकों की शिक्षा के संबंध में किए जा रहे प्रयासों, जनजाति क्षेत्रों में विभिन्न मुद्दों की अद्यतन स्थिति, संपर्क पोर्ट्ल पर लंबित परिवादों व निस्तारण, विगत तीन वर्षों के बोर्ड परिणाम और रिक्त पदों सहित अन्य मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान और विभाग के लंबित मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान कुणाल ने बजट घोषणा 2024-25 एवं वित्तीय प्रावधानों से संबंधित पत्रावलियों का निरीक्षण किया। साथ ही राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों से अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में बालिका सैनिक स्कूल और ग्राम पंचायत कैमरी में प्रस्तावित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की स्थापना कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएं।

शासन सचिव ने राजकीय और बालिका आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण देने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने, फर्नीचर की उपलब्धता बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु आईसीटी लैब्स व अटल टिंकरिंग लैब्स स्थापित करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में विभाग की अब तक की उपलब्धियों एवं नवाचारों का संज्ञान लेते हुए उन्होंने ई-पाठशाला और ओपन स्कूल जैसी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मिड डे मील आयुक्त विश्वमोहन शर्मा, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद अनुपमा जोरवाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी, साक्षरता एवं सतत शिक्षा निदेशक मेघराज रतनू, संयुक्त शासन सचिव मनीष गोयल व मुन्नी मीना, राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल के सचिव मूलचंद वर्मा, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक सुरेश कुमार बुनकर, उप सचिव मोनिका बलारा एवं विशेष अधिकारी बीके गुप्ता सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधियाँ, आयुर्वेद की महान विरासत से समाज को बनाएं आरोग्यवान -राज्यपाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। कुलाधिपति एवं राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवाओं से कहा है कि प्राचीन भारतीय आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विकसित करते हुए भारत की इस महान विरासत के जरिए राष्ट्र को नई दिशा दें और विकसित भारत की संकल्पना में समाहित नीरोगी समाज के लक्ष्य पाने में हरसंभव सहभागिता निभाएं।

राज्यपाल बागडे शुक्रवार को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अष्टम दीक्षान्त समारोह में संबोधित कर रहे थे।

कुलाधिपति एवं राज्यपाल ने दीक्षान्त समारोह में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय की ओर से 1426 उपाधियां प्रदान कीं। इस अवसर पर बी.ए.एम.एस, बी.यू.एम.एस, बी.एच.एम.एस एवं बी.एस.सी नर्सिंग आयुर्वेद में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 4 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए।

समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी आयुर्वेद के 16, एमडी/एमएस आयुर्वेद के 119, एमडी होम्योपैथी के 19, बीएएमएस के 717, बीएचएमएस के 227, बीयूएमएस के 157, बीएनवाईएस के 97 एवं बी.एससी आयुर्वेद नर्सिंग के 74 विद्यार्थियों सहित कुल 1426 को उपाधि प्रदान की गई।

सेवाओं का आदर्श दर्शाएं—

कुलाधिपति एवं राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवाओं से कहा कि वे व्यायाम, योग और ध्यान-ज्ञान की भारतीय स्वस्थ जीवन की परम्परा को अपनाएं और सामूहिक हितों की कल्याणकारी भावनाओं को सर्वोपरि रखकर जनसेवा का आदर्श प्रस्तुत करें।

बेहतर जीवनशैली में मददगार बनें—

उन्होंने कहा कि आयुष पद्धति, स्वास्थ्य से जुड़ा भारतीय ज्ञान है। इसका उपयोग गरीब, जरूरतमंदों की निःस्वार्थ भाव से सेवा में करें। यह करुणामयी स्वास्थ्य सेवा ही गरीब रोगियों को स्वास्थ्य के साथ-साथ बेहतर जीवनशैली का हौसला प्रदान करने में मददगार सिद्ध होगी।

आयुर्वेद पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा—

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पंचकर्म विभाग के अंतर्गत "अन्तर्राष्ट्रीय सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स" के निर्माण और निकट भविष्य में इसके प्रारंभ होने से आयुर्वेद पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत सरकार की आयुष वीजा नीति की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि इस नीति से इस दिशा में और अधिक सुखद परिणाम आएंगे।

विश्वविद्यालय की सराहना—

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद और इससे संबंधित क्षेत्रों के विकास, नवाचारों और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित दायित्वों की सराहना भी की और ख़ासकर विश्वविद्यालय द्वारा भगवान धन्वन्तरि के नाम पर 1200 औषधीय पादपों का एक विशाल वनौषधि उद्यान विकसित करने को स्तुत्य प्रयास बताते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय देश में श्रेष्ठ आयुष शिक्षण और अनुसन्धान केन्द्र के रूप में प्रतिस्थापित होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गए 46 एम.ओ.यू. पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे भविष्य में आयुर्वेद के हमारे ज्ञान का तेजी से वैश्विक प्रसार हो सकेगा।

जयपुर के 2 लाख 76 हजार से ज्यादा किसानों को मिली 11 अंकों की विशिष्ट पहचान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जयपुर जिले में ग्राम पंचायतवार किसान रजिस्ट्री शिविरों का सफल आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी खुद किसान रजिस्ट्री शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) श्री देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जयपुर जिले में अब तक आयोजित किसान रजिस्ट्री शिविरों में 2 लाख 76 हजार 91 किसानों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका हैं एवं 2 लाख 76 हजार 2 किसानों को 11 अंकों की विशिष्ट पहचान उपलब्ध करवाई जा चुकी है, जिसके बाद जयपुर प्रदेश में सबसे ज्यादा किसान आईडी जारी करने वाला जिला बन गया है। वहीं, जयपुर जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के कुल लाभार्थियों में से अब 79 फीसदी से ज्यादा लाभार्थियों का किसान रजिस्ट्री शिविरों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है।

शिविरों के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में जिला स्तरीय हेल्प डेस्क का संचालन किया जा रहा है। अपनी ग्राम पंचायत में शिविर के आयोजन सहित अन्य जानकारियां हासिल करने के लिए आमजन एवं किसान दूरभाष नंबर 0141-2209905, 0141-2209906 पर संपर्क कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि किसान रजिस्ट्री शिविरों में लाभार्थियों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किये गए हैं। शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड मंगला पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा एवं उपचार सहित पशुपालन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है।

प्रातः 930 बजे से सायं 530 बजे तक हो रहा शिविरों का आयोजन—

एग्रीस्टैक योजनांतर्गत जयपुर में फार्मर रजिस्ट्री अभियान का आयोजन ग्राम पंचायत स्तर पर 31 मार्च 2025 तक किया जा रहा है। शिविरों में किसानों की विशिष्ट फार्मर आईडी बनाई जा रही है। शिविरों का आयोजन प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की जा रही है। किसानों द्वारा आईडी बनवाने के लिये आधार कार्ड, जमाबंदी, मोबाईल नम्बर की जरूरत होगी। भविष्य में किसानों की सरकारी योजनाओं व सेवाओं तक पहुंच आसान करने, प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी होगी।

बेहद सरल है फार्मर आईडी बनवाने की प्रक्रिया

सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर शिविर आयोजित करवाये जा रहे हैं। आपकी कृषि भूमि से संबंधित ग्राम पंचायत के शिविर में जाकर फार्मर आईडी बनवा सकते हैं। फार्मर आईडी बनाने के लिए किसान को महज अपना आधार कार्ड, आधार से लिंक्ड मोबाइल नम्बर वाला फोन और नवीनतम जमाबंदी लेकर शिविर में आना होगा। अपनी ग्राम पंचायत में शिविर कार्यक्रम की जानकारी www.rjfrc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर जाकर प्राप्त की जा सकती है।

हर किसान को मिल रही 11 अंकों की एक विशिष्ट पहचान—

किसान रजिस्ट्री, एग्रीस्टैक परियोजना के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की एक पहल है। कृषक विवरण (कृषक का जनसांख्यिकीय विवरण, उसके द्वारा धारित कृषि भूमि का विवरण, प्रत्येक कृषि भूखण्ड के जीपीएस निर्देशांक, उस पर बोई गई फसलों का विवरण आदि) को डिजिटल इन्फास्ट्रक्चर में संकलित किया जाकर, प्रदेश के प्रत्येक किसान को 'आधार' आधारित एक 11 अंकों की एक यूनिक आईडी (विशिष्ट किसान आईडी) आवंटित की जा रही है, जिससे किसान डिजिटल रूप से अपनी पहचान प्रमाणित कर सकेंगे।

किसान आईडी डिजिटली सत्यापन योग्य पहचान है, जिसे www.rjfr.agristack.gov.in पोर्टल पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं। फार्मर आईडी जनरेट होने के बाद भूमि संशोधन (खसरा जोड़ने या हटाने) के लिए पटवारी, भू-अभि. निरीक्षक या तहसीलदार से सम्पर्क किया जा सकता है।

इस हेतु मोबाइल एप/वेबसाइट द्वारा प्रदेश के समस्त कृषकों के स्वामित्व वाले सभी खसरों को सम्मिलित करते हुए कृषक के 'आधार' से लिंक कराया जाएगा, तत्पश्चात कृषक से ऑनलाइन सहमति प्राप्त करते हुए ई-हस्ताक्षर की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

इसलिए उपयोगी है किसान रजिस्ट्री—

भविष्य में प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर आईडी आवश्यक है। राज्य एवं भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे पात्र किसानों को प्रदान करने के लिए फार्मर आईडी आवश्यक होगी। भविष्य में नामांतरण एवं क्रय-विक्रय पंजीयन की प्रक्रिया में भी फार्मर आईडी आवश्यक होगी।

किसान रजिस्ट्री से किसानों को लाभ—

किसान आईडी (बिना अतिरिक्त दस्तावेज) के माध्यम से सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं तक पहुंच आसान हो सकेगी। पात्र किसान का प्रधानमंत्री-किसान/मुख्यमंत्री-किसान सम्मान निधि योजना, अन्य योजनाओं में स्वतः जुड़ना सम्भव होगा। किसानों से फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्यों एवं अन्य योजनाओं में त्वरित (बिना किसी अतिरिक्त दस्तावेज के) खरीद संभव हो सकेगी। किसान की फसल के अनुसार डिजिटल तरीके से फसलों का बीमा संभव होगा।

इसके अतिरिक्त किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा ऋण आसानी एवं शीघ्रता से मिल सकेगा। किसानों को फसलों के लिए सेवाओं और बाजारों का व्यापक विकल्प मिल सकेगा। किसान अपनी फसलों, मृदा की स्थिति और कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुसार परामर्श सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे । साथ ही, सरकारी योजनाओं में लाभों का समान वितरण सुनिश्चित हो सकेगा, साथ ही लाभ से वंचित पात्र किसानों की पहचान संभव होगी ।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ताओं ने बताई शांति की पृष्ठभूमि और प्रतिस्थापना के उपाय

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के प्रायोजकत्व में जैन विश्वभारती संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में यहां सेमिनार हॉल में 'शाश्वत शांति प्राप्त करने और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने के लिए दार्शनिक साधन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ की अध्यक्षता और वर्द्धमान महावीर विश्वविद्यालय कोटा के पूर्व कुलपति प्रो. नरेश दाधीच के मुख्य आतिथ्य में किया गया। उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल के प्रो. आशुतोष प्रधान थे तथा मुख्य वक्ता प्रमुख साहित्यकार डा. योगेन्द्र शर्मा भीलवाड़ा रहे।

परस्पर-निर्भरता सहित तीन सिद्धांत आवश्यक

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि विश्व के सामने दो ही विकल्प हैं कि या तो महावीर, भारतीय मूल्यों और अहिंसा को चुना जाए अथवा महाविनाश के रास्ते पर बढें। हमें इन दोनों में से एक मार्ग पर चलने को कटिबद्ध होना होगा। आवश्यक हे कि हम ऐसी कंडीशन पैदा करें, जो हमारे अस्तित्व को संरक्षित रखने में सहायक हों। आज दुनिया टेक्नोक्रेट के चरम तक पहुंच चुकी है, लेकिन पड़ौसी के घर के दरवाजे तक हम नहीं पहुंचे। भले ही कितने की टैक्नोक्रेट बन जाएं, पर जब तक मानवीय सम्वेदनाएं नहीं हैं, तो हम अस्तित्व को नहीं बचा सकते। उन्होंने भारतीय संस्कृति व जैन दर्शन के अनुसार तीन सिद्धांतों को आवश्यक बताया तथा कहा कि दूसरे सभी प्राणियों को अपने समान समझनने से उनके प्रति दुर्भावना नहीं आ पाती। दूसरा परस्परता यानि सभी प्राणियों का जीवन एक-दूसरे पर निर्भर होना, जिसमें आत्मनिर्भरता के बजाए परस्पर-निर्भरता को महत्व देना जरूरी है, क्योंकि आत्मनिर्भरता से कट्टर राष्ट्रवाद और कट्टर व्यक्तिवाद बढता है। तीसरा है अपरिग्रह सिद्धांत यानि अपनी इच्छाओं का परिसीमन करना। जो कुछ मिल गया है, उसकी सुखानुभूति के बजाय जो नहीं मिल पाया, उसके दुःख की अनुभूति अनुचित होती है। ये सभी भारतीय मूल्य ही विश्व में चिर शांति के लिए आवश्यक हैं।

व्यवस्थागत हिंसा को मिटाने के लिए नियम बदलने जरूरी

मुख्य अतिथि प्रो. नरेश दाधीच ने अपने सम्बोधन में व्यवस्थागत हिंसा को समाप्त करने के लिए समाज के विभिन्न नियमों को बदलने की जरूरत पर बल दिया और समाज में शांति स्थापित करने के लिए शांति प्राप्त करने के तरीकों एवं शांति के आधार को समझने की आवश्यकता बताई। उन्होंने यह जानने की आवश्यकता बताई कि व्यक्ति अशांत होता क्यों है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का स्वभाव व मान्यताएं अलग-अलग होती हैं और वे ही उसके अशांत होने का कारण बनती है। मुख्य वक्ता प्रमुख साहित्यकार डा. योगेन्द्र शर्मा ने त्रेता युग, द्वापर युग और आज तक के शांति प्रयासों के बावजूद शांति नहीं होने को व्याख्यायित किया और कहा कि अधिकांश युद्ध शांति की बहाली के लिए राष्ट्र में अशांति के जिम्मेदार दुष्टों के संहार के लिए किए जाते रहे हैं, जो आवश्यक होते हैं। भारत ने कभी पहले आक्रमण नहीं किया, पहले युद्ध का प्रयास नहीं किया। उन्होंने वीरों की शहादत का उदाहरण देते हुए कहा कि यह बलिदान देश में हम शांति और अहिंसा से रह सकें और सीमाओं पर शांति बनी रहे, इसके लिए वीरों ने अपने प्राणों की आहुतियां दी। विशिष्ट अतिथि प्रो. आशुतोष प्रधान ने देश के विकास के लिए शांति को जरूरी बताया और राष्ट्र रक्षा सम्बंधी अनेक उदाहरण दिए। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. बलबीर सिंह ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत किया और स्वागत वक्तव्य दिया। कार्यक्रम संयोजन सचिव डा. लिपि जैन ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के विषय का प्रवर्तन किया। संगोष्ठी का प्रारम्भ मुमुक्षु बहिनों के मंगलगान के साथ किया गया। अंत में डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने आभार ज्ञापित किया।

मां भद्रकाली मेला 30 मार्च से 6 अप्रैल तक भरेगा

- मेलावधि में शक्ति महोत्सव का होगा आयोजन

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। प्रथम नवरात्र के साथ ही प्रसिद्ध ऐतिहासिक मां भद्रकाली मेले का 30 मार्च से आगाज होगा। शांतिपूर्वक सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन और देवस्थान विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिला कलेक्टर काना राम की अध्यक्षता में अहम बैठक हुई।

जिला कलेक्टर ने मंदिर क्षेत्र में पेयजल, शौच, विद्त, चिकित्सा, सफाई, सड़क, यातायात, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग, नियंत्रण कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह मेला आस्था का बड़ा केंद्र है। इसलिए श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानियां नहीं होनी चाहिए। सफाई व्यवस्था पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय से व्यवस्थाओं को शीघ्र अंतिम रूप दें।

आठ दिवसीय शक्ति महोत्सव का होगा आयोजन:-

सहायक आयुक्त ओमप्रकाश पालीवाल ने बताया कि मां भद्रकाली मेला 30 मार्च से 6 अप्रैल तक भरेगा। मेले में 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। इस वर्ष मेलावधि में आठ दिवसीय शक्ति महोत्सव का भी आयोजन होगा। मेला स्थल पर 124 अस्थाई दुकानों, 2 पार्किंग स्थलों तथा 1 मनोरंजन स्थल की नीलामी की गई है। नीलामी से देवस्थान विभाग को 20.26 लाख रुपए की आय अर्जित हुई है।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदी लाल मीना, उपखंड अधिकारी हनुमानगढ़ मांगीलाल, सहायक आयुक्त देवस्थान ओमप्रकाश पालीवाल, डिप्टी एसपी मीनाक्षी, निरीक्षक सलीम, निरीक्षक श्वेता चौधरी, हनुमानगढ़ सेवा समिति, अन्नपूर्णा आध्यात्मिक सेवा समिति, सनातन धर्म महावीर दल के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अली अखाड़ा समिति की ओर से रोजा इफ्तार प्रोग्राम संपन्न

मांगरोल.(रॉयल पत्रिका)। अली अखाड़ा समिति मांगरोल की ओर से शुक्रवार को मीठे कुएं के बाग में रोजा इफ्तार प्रोग्राम आयोजित किया गया। अली अखाड़ा समिति के प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास ने बताया कि रोजा इफ्तार प्रोग्राम में असर की नमाज के बाद से ही रोजेदारों का मीठे कुएं के बाग में पहुंचना शुरू हो गया था। सभी रोजेदारों ने मगरिब की अज़ान लगते ही रोजा खोल कर अल्लाह का शुक्र अदा किया। ओर मुल्क में अमन चैन और भाईचारे की दुआ मांगी। प्रोग्राम में राजस्थान स्टेट हज कमेटी के सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक बीड़ी वाले, नगर पालिका के पूर्व वाइस चेयरमैन अब्दुल रजाक, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ कांग्रेस नगर अध्यक्ष शादाब अरहान, कलंदरी मस्जिद के इमाम हाफिज अब्दुल कदीर, अली अखाड़ा समिति के अध्यक्ष उस्ताद मोहम्मद हनीफ, सचिव मकबूल अहमद, जाकिर हुसैन, मोहम्मद अली, गुलाम मिस्त्री, मोहम्मद कासिम, मुनव्वर हुसैन, मोहम्मद रिजवान आदि मौजूद रहे।

पंजीकृत मदरसों में देवाधिदेव ऋषभदेव भगवान के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। मदरसा बोर्ड सचिव के निर्देशानुसार जिले के समस्त पंजीकृत मदरसों में जैन धर्म के प्रवर्तक देवाधिदेव ऋषभदेव भगवान के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ने बताया कि कार्यक्रम में विद्यार्थियों के बीच ऋषभदेव भगवान की जीवनी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। अध्ययनरत विद्यार्थियों ने उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत चार्ट बनाना, रंग-रोगन करना, पोस्टर बनाना, निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के पीरियोडॉन्टिक्स और पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग ने विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस का जश्न मनाया। कार्यक्रम का आयोजन प्रिंसिपल डॉ. बालाजी मनोहर के निर्देशन में किया गया था। डॉ. बालाजी ने छात्रों को विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर टूथब्रश पेंटिंग प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया था।

नाटक का उद्देश्य लोगों में मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इसके साथ ही, संस्थान ने 27 मार्च तक एक सप्ताह के लिए निःशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया है।

पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाकर आगामी पीढ़ियों के लिए संसाधनों का हो संरक्षण: अतिरिक्त जिला कलक्टर

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व उपभोक्ता दिवस के अन्तर्गत मनाये जा रहे उपभोक्ता सप्ताह जागृति कार्यक्रम के अन्तर्गत गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा ने विश्व उपभोक्ता सप्ताह की थीम "टिकाऊ जीवनशैली की ओर एक उचित बदलाव" पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें वर्तमान संसाधनों का उपयोग संयम से करना होगा तथा इस तरह की जीवनशैली को अपनाना होगा जिससे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचे। उन्होंने प्राकृतिक पर्यावरण को सुरक्षित रखने, प्लास्टिक का उपयोग नही करने, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण तथा ऐसी जीवनशैली अपनाने पर बल दिया जो टिकाऊ तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिये पृथ्वी को संरक्षित एवं सुरक्षित रख सके। कार्यक्रम मे उपभोक्ता जागरूकता के लिये टोल फ्री नं. 1800-180-6030 एवं 14435 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

बैठक में जिला रसद अधिकारी रामभजन मीना द्वारा उपभोक्ता अधिकार एवं संरक्षण तथा विभागीय गतिविधियों पर विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने सतत् विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुऐ टिकाऊ और प्रमाणित उत्पादों को उपयोग करने के लिये प्रोत्साहित किया। उन्होने उपभोक्ताओं को ऑनलाईन सैल और आकर्षक स्कीमों के लालच में नही आने की सलाह दी एवं प्लास्टिक का उपयोग न करके कपड़े व कागज के थेलो का उपयोग करने की बात कहीं। बैठक में प्राकृतिक रंगों, मिट्टी के दियो एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर बल दिया।

उपभोक्ता संगठन के प्रतिनिधि हरिप्रसाद योगी द्वारा उपभोक्ता अधिकारों एवं संरक्षण के विधिक पक्ष की विस्तृत जानकारी दी गई तथा "टिकाऊ जीवनशैली की ओर एक उचित बदलाव" थीम पर अपने विचार व्यक्त किये उन्होने कहा कि यह विषय अत्यन्त महत्वपूर्ण व प्रासंगिक है। इसमे हमें उपभोग के तरीकों पर पुर्नविचार करने व अधिक जिम्मेदार बनने के लिये प्रेरित करता है।

बैठक में उपस्थित खाद्य सुरक्षा अधिकारी वेदप्रकाश पूर्विया द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 पर विस्तृत प्रकाश डाला। बाट माप अधिकारी अशोक मित्तल द्वारा बांट एवं माप प्रवर्तन अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

बैठक में जिला रसद अधिकारी रामभजन मीना, उपभोक्ता विषयक विभागों के अधिकारी, बांट माप अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, हरिप्रसाद योगी, उपभोक्ता संगठन प्रतिनिधि, प्रवर्तन अधिकारी/निरीक्षक, जिला रसद कार्यालय के कार्मिक, जनप्रतिनिधि, उपभोक्ता क्लब प्रभारी, अधिवक्ता, शिक्षाविद्, समाजसेवी, चिकित्सक, किसान, लेखक, स्वयसेवी संस्था, महिला संगठन, व्यापारिक संगठन एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शेरे शेखावाटी सरदार हरलाल सिंह की 43वीं पुण्यतिथि पर ग्रामीणों ने किसानों के मसीहा सरदार हरलाल सिंह के बताए मार्ग पर चलने की शपथ ली

मण्डावा (रॉयल पत्रिका)। शेरे शेखावाटी सरदार हरलाल सिंह की 43वीं पुण्यतिथि शुक्रवार को उनके पैतृक गांव हनुमानपुरा में स्थित स्मारक स्थल पर आयोजित की गई। इस अवसर पर प्रबुद्धजनों ने सरदार हरलाल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सरपंच सुमित्रा देवी ने कहा कि युवाओं को सरदार हरलाल सिंह के विचारों को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजादी से पूर्व सरदार हरलाल सिंह ने विद्या मंदिर की स्थापना की थी जो आज सीनियर स्कूल के रूप में संचालित है। संयोजक राजन चौधरी ने कहा कि शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए युवा नवीनतम तकनीक का प्रयोग कर आगे बढ़े वही नशे की प्रवृति का त्याग कर नशा मुक्त समाज का निर्माण करें।

इस मौके पर नरेश खादीवाला ने कहा कि सरदार हरलाल सिंह अनेक लोगों को जीवन में आगे बढ़ने का मौका दिया था जिससे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री कमला बेनीवाल, पूर्व विधायक सुधा देवी, पूर्व मंत्री रामनारायण चौधरी सहित अनेक नेताओं ने उनके सानिध्य में सफर तय किया। इस मौके पर सरदार हरलाल सिंह की पुत्र वधु लक्ष्मी देवी, पौत्र रोहित चौधरी,जीएसएस अध्यक्ष पवन दुलड़,पूर्व सरपंच फूल सिंह,प्रदीप दूलड़, योगेश,विधाधर, एडवोकेट विजयपाल, सुबोध, रजनीश,नवीन,संजीव,रोहिताश, फूलचंद, दुर्गादत, मनीराम सेवदा व फूलचंद सेवदा सहित अनेक ग्रामीण जन उपस्थित रहे अंत में सुभाष सेवदा ने सभी का आभार प्रकट किया।

दीवाने शाह की दरगाह पर चित्तौड़गढ़ जिला पुलिस अधीक्षक ने फूल पेश कर दुआ की

कपासन प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ करते हुवें।

कपासन (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर चित्तौड़गढ़ जिला पुलिस अधीक्षक ने फूल पेश कर मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ की। सैकडो जायरीने दीवाना ने की रोज़ा ईफ्तारी मे शिरकत।

दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी के अनुसार गुरूवार को पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी का बुलन्द दरवाजा पर कमेटी सदस्य अब्दुल वहीद अंसारी, हाजी शरीफ मेवाती, अशफाक तुर्किया एवं याकूब खाँ जाश्मा ने स्वागत किया। आस्ताना ऐ आलिया में मुख्य मज़ार पर चादर व फूल पेश कर मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ की। सैयद अख्तर अली बुखारी ने दस्तार बंदी कर श्रीफल भेंट किया। डी.वाई.एस.पी. हरजी लाल यादव, सी.आई. रतन सिंह भी मोजूद रहे। इस अवसर पर कमेटी से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

गुरूवार सांयकाल अहमद कबीर मंजिल मे आशिके दीवाना उदयपुर के परवेज रशीद कुरेशी की जानिब से रोजा ईफ्तारी का प्रोग्राम रखा गया। इस मुबारक मौके पर भा.ज.पा. अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ईकराम रशीद कुरेशी, फारूक कुरेशी, भीलवाडा के नजमूल कुरेशी, कमरगनी कुरेशी एवं नगरपालिका उपाध्यक्ष सैयद ऐजाज अली, आर.एन.टी. कॉलेज के निदेशक डॉ. वसीम खाँ, अन्जुमन सैक्रेट्री सैयद असलम अली उर्फ बंटी सहित सैकडो जायरीने दीवाना ने शिरकत की।

सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन 18 मई को बारां में होगा आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। आशा जन कल्याण संस्थान के तत्वावधान में 18 मई 2025 रविवार, को बारां शहर में स्थित कल्याणी बाई की बावडी के पास, तलावड़ा रोड, फोरलेन पर संस्था का तृतीय सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन होने जा रहा है। सम्मेलन संयोजक व संस्था अध्यक्ष विष्णु दयाल ने बताया कि संस्था सम्मेलन का आयोजन करती रही है। संस्था का यह तृतीय सम्मेलन होगा। सम्मेलन में 25 जोडे सभी समाज के शामिल किये जायेंगें। सम्मेलन में बालिग जोडों को शामिल किया जावेगा। सम्मेलन मे पंजीयन शुरू कर दिया गया है। जरूरतमंद लोगों तक सूचना पहुंचाने के लिये गावों में प्रचार प्रसार किया जा रहा है। झालावाड़ में स्थित संस्था के मुख्य कार्यालय आर.टी.ओ ऑफिस के पास, अम्बेड़कर कॉलोनी, झालावाड़ में पंजीयन शुरू कर दिया गया है। पंजीयन के लिये संस्था के व्हाटसअप नंबर 9928844451 पर सम्पर्क किया जा सकता है। संस्था के प्रयास व भामाशाह के सहयोग से सम्मेलन में सर्वजातीय वर्ग के आर्थिक दृष्टि से कमजोर परिवार, असहाय, अनाथ, निराश्रित, बेसहारा परिवारों की कन्याओं को शामिल किया जावेगा। संस्था द्वारा 22 अप्रेल 23 को 20 जोडो का प्रथम निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन झालावाड़ में सफलता पूर्वक आयोजित किया जा चुका है। संस्था का द्वितीय सम्मेलन 30 अप्रेल 2025 आखातीज को 51 जोडो का झालावाड़ में होने जा रहा है। संस्था द्वारा आयोजित गत सम्मेलन में सभी जोडो को सरकार की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह एवं अनुदान योजना के तहत शर्ते पूर्ण करते हुए 21000 रूपये का लाभ दिलाया गया था। संस्था का प्रयास रहेगा कि इस सम्मेलन में शामिल सभी जोडों को विभाग की योजना का 21000 हजार रूपये का लाभ दिलाने का प्रयास किया जावेगा ।

मोबाईल वैन के माध्यम से आमजन को बाल विवाह के दुष्परिणामों से कराया अवगत

पाली, (रॉयल पत्रिका)। दूरस्थ गांवो एवं ढाणियों में आमजन में विधिक जागरूकता हेतु अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश, पाली के आदेशानुसार मोबाईल वैन के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया।

प्राधिकरण के सचिव भाटी ने बताया कि पाली न्यायक्षेत्र की तालुकाओं में विभिन्न गांवों एवं ढाणियां में मोबाईल वैन के माध्यम से बाल विवाह एक सामाजिक अभिशाप, निःशुल्क विधिक सहायता, मध्यस्थता, पीड़ित प्रतिकर स्कीम, राष्ट्रीय लोक अदालत आदि के बारे में आमजन को जागरूक किया जायेगा। साथ ही विभिन्न प्रकार के पेम्पलेट्स का वितरण भी किया जायेगा। आज दिनांक को उक्त मोबाईल वैन पाली मुख्यालय से रवाना होते हुए मानपुरा भाकरी, हेमावास, सोनाई मांझी, गुडा नारकान, सोडावास, ठाकुरला, गुडा बिच्छु, गुंदोज, तोगावास, हथलाई, रामासिया से पुनः पाली मुख्यालय पहुंची। मोबाईल वैन के साथ जिला मख्यालय पर कार्यरत अधिकार मित्र (पीएलवी) मांगीलाल तंवर एवं वाहन चालक श्रवणसिंह उपस्थित रहे।

बाल विवाह को रोकने हेतु दिलाई शपथ

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार आज विक्रम सिंह भाटी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पाली के निर्देशानुसार बाल विवाह को रोकने हेतु विभिन्न स्थानों पर मोबाईल वैन के माध्यम से आमजन को जानकारी प्रदान की। साथ ही विभिन्न विद्यालयो में विद्यार्थियों एवं अध्यापकगण को बाल विवाह को रोकने हेतु शपथ दिलाई गई। मांगीलाल तंवर ने महिला सशक्तिकरण, महिलाओं की सुरक्षा, महिलाओं के कानूनी अधिकार, बालिका शिक्षा, राजस्थान पीडित प्रतिकर स्कीम, मध्यस्थता, आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीडन अधिनियम, 2013, नालसा हेल्पलाइन नम्बर 15100, नालसा पोर्टल, नालसा एवं रालसा द्वारा जारी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं आदि की जानकारी प्रदान की। वरिष्ठ नागरिकों, बालिकाओं एवं महिलाओं हेतु राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए बालश्रम, कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, निःशुल्क शिक्षा का अधिकार, दैनिक जीवन में उपयोगी कानून एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के बारे में सरल भाषा में जानकारी प्रदान की।

जयपुर में आरएएस मुख्य परीक्षा कोचिंग की तैयारी करने वाली छात्राओं को मिलेगी निःशुल्क आवास एवं भोजन की सुविधा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय कल्याण की विभिन्न योजनाओं का सुचारू संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा संचालित शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण केंद्र जयपुर में प्रारम्भिक परीक्षा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त भर्ती परीक्षा 2024 में उत्तीर्ण जनजाति वर्ग की छात्राओं के लिए जयपुर में रहकर आरएएस मुख्य परीक्षा की कोचिंग/तैयारी करने के लिए आवास की व्यवस्था की जा रही है।

जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने बताया कि योजनान्तर्गत आरएएस 2024 प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण कर मुख्य परीक्षा की कोचिंग/तैयारी करने एवं जयपुर में रहकर किराये पर कमरा लेकर अध्ययन करने में असमर्थ जनजाति वर्ग की छात्राओं को आवास एवं भोजन की निःशुल्क सुविधा हेतु शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण केंद्र (बहुउद्देशीय जनजाति बालिका छात्रावास) जयपुर में प्रवेश दिया जाएगा।

आवेदन हेतु आवश्यक शर्तें:-

अभ्यर्थी राजस्थान की मूल निवासी हो, अभ्यर्थी अनुसूचित जनजाति वर्ग से हो, अभ्यर्थी द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त भर्ती परीक्षा 2024 में प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली गयी हो, अभ्यर्थी के माता-पिता एवं स्वयं अभ्यर्थी की कुल मिलाकर वार्षिक आय 8 लाख रूपये से कम हो, यदि माता/पिता में से कोई राजस्थान सरकार में सेवारत हो तो पे-मेट्रिक्स लेवल 11 तक वेतन प्राप्त कर रहे हो, अभ्यर्थी के माता-पिता/अभिभावक राजकीय सेवा/निगम/बोर्ड/निजी सेवा में सेवारत/कार्यरत वेतनभोगी होने पर उन्हें अपने कार्यालय अध्यक्ष/नियोक्ता द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र/वेतन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। अभ्यर्थी को जयपुर में रहकर मुख्य परीक्षा की कोचिंग/तैयारी करना अनिवार्य होगा। छात्रावास में प्रवेश हेतु चयन हो जाने पर अभ्यर्थी छात्रा को छात्रावास परिसर में रहकर अध्ययन/तैयारी करना अनिवार्य होगा।

ऑनलाईन आवेदन प्रकिया:-

विभागीय वेबसाईट https://tad.rajasthan.gov.in/pages/department-page/2403 पेज पर जाकर Residential Facilities at Center of Excellence (Multi-purpose Girls Hostel) Jaipur for RAS Mains Exam 2024 के लिंक पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। साथ ही सिटीजन एसएसओ आईडी से राजकाज से Hostel and Scheme Monitoring System पोर्टल पर जाकर भी आवेदन किया जा सकता है। आवेदन की अंतिम तिथि 27 मार्च, 2025 है तथा आवास की उक्त सुविधा अप्रैल, 2025 के प्रथम सप्ताह से प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है।

स्पार अस्पताल में फिजिशियन ,सर्जरी और गैस्ट्रो डिपार्टमेंट का शुभारम्भ किया

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। स्पार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में कल फिजिसियन, सर्जरी,गैस्ट्रो, ICU और क्रिटिकल केयर का शुभारम्भ हुआ।कार्यक्रम के दौरान भँवर अली जी और डॉ साहिब राम जी ने डॉ नारायण और डॉ सुनील सैनी को माला पहनाकर स्वागत किया और ICU का रिब्बन कटवाकर क्रिटिकल केयर की सुविधा शुभारम्भ किया। उसके बाद में अस्पताल प्रबंदक डॉ सुनीता ने बताया की अस्पताल के में पहले से स्त्री व प्रसूति और निसंतानता निवारण,हड्डी,जोड़ रोग और हैंड सर्जरी के लिए डॉ दुष्यंत सोनी, गुर्दा व मूत्र रोग के लिए डॉ मुकेश बेनीवाल, हार्ट रोगो के लिए डॉ संजीव चौधरी (माह के तीसरे रविवार), रीढ़ की हड्डी रोग के लिए डॉ नितिन गोयल (कल दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक), इसके साथ साथ अब अस्पताल में प्रतिदिन प्रातः10 बजे से 5 बजे तक डॉ नारायण फिजिशियन ,डॉ सुनील सैनी सर्जरी और डॉ अनभ् शर्मा पैट,आंत,लिवर रोग विशेषज्ञ (कल प्रातः11 बजे से 1 बजे तक) की सेवाएं भी चालू हो गई है। डॉ लाम्बा ने बताया की अब अस्पताल में MAA -YOJNA(मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना)के अंतरगर्त निःशुल्क ईलाज किया जायेगा। अस्पताल में मॉडुलर ICU और क्रिटिकल केयर और वेंटीलेटर और क्रिटिकल केयर टीम की सुविधा की गए है जिससे मरीज़ों को एडवांस केयर मिले।

नाथद्वारा में एशियन ली जेंड्स लीग में एशियन स्टार्स बनी चैंपियन

नाथद्वारा एजेंसी। एशियन लीजेंड्स लीग 2025 का फाइनल मुकाबला नाथद्वारा के मदन पालीवाल मिराज स्पोर्ट्स सेंटर (एमपीएमएससी) में बड़े ही भव्य और रोमांचक अंदाज में संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक मुकाबले को देखने के लिए उदयपुर, नाथद्वारा और राजसमंद से हजारों क्रिकेट प्रेमी पहुंचे, साथ ही बड़ी संख्या में देश.विदेश से आए पर्यटकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। 30,000 से अधिक दर्शकों की जबरदस्त मौजूदगी ने इस आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया। मैच में एशियन स्टार्स ने 6 विकेट से इंडियन रॉयल्स

को हराया। इस दौरान जीती हुई टीम को मिराज ग्रुप के चेयरमैन श्री मदन पालीवाल जी, लीग के आयोजक रवि यादव, बीसीसीआई के पूर्व चयनकर्ता चेतन शर्मा सहित अन्य अतिथियों ने प्लेयर्स को सम्मानित किया। दमदार स्ट्राइकर ऑफ द मैच ईश्वर पांडे, प्लेयर ऑफ द मैच ऋषि धवन, बेस्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज ट्रॉफी मेहरान खान, अतिथियों ने विजेता टीम एशियन स्टार्स के कप्तान मेहरान खान को चमचमाती ट्रॉफी प्रदान की। फाइनल मुकाबले की शुरुआत इंडियन रॉयल्स के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के साथ हुई। टीम के लिए संजय सिंह ने शानदार अर्धशतक लगाते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अलावा योगेश नागर (16 रन), विनीत सक्सेना (15 रन), मनन शर्मा (14 रन) और कप्तान फैज़ फ़ज़ल (11 रन) ने भी अपनी पारियों से टीम को सहयोग दिया। हालांकि, एशियन स्टार्स के गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन के कारण इंडियन रॉयल्स 10 विकेट के नुकसान पर 148 रन ही बना सकी और एशियन स्टार्स के सामने 149 रनों का लक्ष्य रखा। मैच के मिड.इनिंग ब्रेक के दौरान, पूरे स्टेडियम में जोश और देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।

म्यूचुअल फंड चुनने वाला एक बेहतर टूल लॉन्च किया

शेयरडॉट मार्केट

मुंबई एजेंसी। फोनपे वेल्थ ने आज सीआरआईएसपी के लॉन्च की घोषणा की, जो एक अनूठा टूल है जिसे निवेशकों को अधिक जानकारी के साथ म्यूचुअल फंड पर निवेश का निर्णय लेने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह टूल ऐसे समय में आया है जब भारत में म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या 31 दिसंबर, 2019 को 20 मिलियन से बढ़कर 31 दिसंबर, 2024 तक 53 मिलियन हो गई है लेकिन सही फंड चुनना अभी भी ज्यादातर निवेशकों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सीआरआईएसपी (कन्सिस्टन्सी, रिस्क एंड इन्वेस्टमेंट स्टाइल ऑफ़ दा पोर्टफोलियो) टूल

share.market
A PhonePe Product

निवेशकों को पिछले रिटर्न को देखने के अलावा उचित फंड का चयन करने के लिए एक पूरी तरह से समाधान प्रदान करके इस महत्वपूर्ण चुनौती का समाधान करता है। रिटेल निवेशक, विशेष रूप से वेल्थटेक प्लेटफार्मों के माध्यम से निवेश करने वाले, अपने निवेश विकल्प बनाने के लिए फंडों के पिछले प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर रहे हैं। इसके कारण निवेशक अक्सर गलत निवेश विकल्प चुन लेते हैं। सीआरआईएसपी के साथ निवेश निर्णय लेना आसान हो जाता है, यह म्यूचुअल फंड के परफॉरमेंस, खतरों और पोर्टफोलियो डेटा को उपयोगी जानकारी में बदल देता है। निवेशक जागरूकता पहलों और वेल्थटेक प्लेटफार्मों की बदौलत म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अच्छी तरह से बढ़ रहा है, जो म्यूचुअल फंड निवेश को और अधिक आसान बना रहे हैं।

सोने की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी, 92 हजार के करीब

अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूएसडी 3000 के पार

नईदिल्ली, एजेंसी। शादी के सीजन से पहले बढ़ती खरीदारी और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण सोने की कीमत में 700 रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह बुधवार को नई ऊंचाई 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। मंगलवार को यह 91,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

सोने की कीमतों में क्यों आई तेजी- शादी और त्योहारों के सीजन से पहले स्थानीय सर्राफा कारोबारियों कीओर से की गई खरीदारी की गई है। वहीं मध्य पूर्व में बढ़ता तनाव और अमेरिका की आर्थिक सुस्ती की आशंका भी इसकी वजह है।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतों में बुधवार को एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे यह अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें 3000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के स्तर से ऊपर बनी रहीं। मामले में मनीष मोदी, सीनियर एनालिस्ट, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा, वैश्विक व्यापार युद्ध और भू-राजनीतिक

इतिहास में पहली बार इतनी तेजी से बढ़ी कीमत

पिछले 210 दिनों में सोने की कीमतें 2,500 डॉलर प्रति औंस से बढ़कर 3,000 डॉलर प्रति औंस हो गई हैं। आमतौर पर, सोने की कीमत में इतनी बढ़ोतरी होने में लगभग 1,700 दिन लगते हैं, लेकिन इस बार तेजी से उछाल देखने को मिला है। विश्व गोल्ड काउंसिल की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया, सोने की कीमतों में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता, बढ़ती महंगाई, ब्याज दरों में कटौती और कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण सोने में निवेश जारी रहेगा।

निवेशकों का रुझान गोल्ड ईटीएफ की ओर

शेयर बाजार में अस्थिरता के कारण अमीर निवेशक फिजिकल गोल्ड खरीदने की बजाय गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स में निवेश कर रहे हैं। साल 2025 में गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड निवेश देखा गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि लोग सोने को एक सुरक्षित निवेश मान रहे हैं।

कापसी ने नारी रक्षक टीम और महिला सुरक्षा ऐप लॉन्च किया कापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट सिक्योरिटी इंडस्ट्री (कापसी)और एएसआईएस इंटरनेशनल, नई दिल्ली (एएसआईएस) ने गर्व के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में उन प्रोफेशनल्स को सम्मानित किया गया, जिन्होंने समाज को अधिक सुरक्षित और संरक्षित बनाने के लिए साहस, धैर्य और समर्पण दिखाया है।

कापसी ने उन महिलाओं को भी सम्मानित किया ,जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर स्वयं और अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए और सुरक्षा, सशक्तिकरण व सामाजिक बदलाव की दिशा में प्रभावी पहल का नेतृत्व किया। एएसआईएस नई दिल्ली चैप्टर के चेयरमैन श्री महेश सिंह चौहान ने कहा कापसी और एएसआईएस नई दिल्ली ने मिलकर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया, जो सुरक्षा क्षेत्र में महिलाओं के लिए एक शानदार पहल है। यह कदम महिलाओं को वर्दी में और उसके बाहर नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा एक महिला की आवाज़ केवल एक आवाज़ नहीं होती, बल्कि एक आंदोलन, एक क्रांति होती है, जिसमें समाज को बदलने की शक्ति होती है। इस अवसर पर कापसी के चेयरमैन कुंवर विक्रम सिंह ने कहा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल एक जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि एक सुरक्षित, समावेशी और प्रगतिशील समाज की नींव है। जब महिलाएं सुरक्षित महसूस करती हैं तो समाज फलता-फूलता है और राष्ट्र सशक्त बनता है। उन्होंने कहा यदि आप अपनी महिलाओं की रक्षा करेंगे, तो वे आपके राष्ट्र और पीढ़ी की सुरक्षा करेंगी। साथ ही उन व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने परिवार की सुरक्षा और कल्याण में योगदान दिया और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाला। इस कार्यक्रम में महिला सुरक्षा ऐप लॉन्च किया गया, जिसे विंग कमांडर सोनिका तनवर के नेतृत्व में विकसित किया गया है।

कैनन इंडिया ने लगातार 9 वें साल लेज़र मल्टीफंक्शनल डिवाईसेज़ सेगमेंट में सबसे ज्यादा बाजार अंश हासिल किया

मुंबई, एजेंसी। हाल ही में इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन वर्ल्डवाईड क्वार्टरली हार्डकॉपी पेरिफेरल्स ट्रैकर, 2024 क्यू4 द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कैनन इंडिया ने कलर, मोनो, और संपूर्ण लेज़र कॉपियर मल्टीफंक्शन डिवाईस श्रेणियों में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस सम्मान से इनोवेशन, टेक्नोलॉजिकल उत्कृष्टता, और ग्राहक अनुभव में सुधार के प्रति कैनन की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। आईडीसी की रिपोर्ट के अनुसार, कैनन इंडिया ने 2024 में उपरोक्त सभी क्षेत्रों में बाजार में अपना दबदबा बनाकर रखा, और संपूर्ण लेज़र मल्टीफंक्शनल डिवाईसेज़ सेगमेंट में 28.4 प्रतिशत का बाजार अंश हासिल किया। यह उपलब्धि विभिन्न ग्राहक वर्गों द्वारा हाई-क्वालिटी, और प्रभावशाली प्रिंटिंग समाधानों की मांग के कारण प्राप्त हुई है।

इस उपलब्धि के बारे में श्री तोशियाकी नोमुरा, प्रेसिडेंट एवं सीइओ, कैनन इंडिया ने कहा, ''हमें नौ सालों से लगातार एक बार फिर एमएफडी सेगमेंट में मार्केट लीडर बनने पर गर्व है। यह उपलब्धि हमारे ऊपर हमारे ग्राहकों और पार्टनर्स के विश्वास का प्रमाण है। हम व्यवसायों को बेहतर प्रिंट क्वालिटी के साथ अपनी उत्पादकता बढ़ाने में समर्थ बनाने पर केंद्रित हैं। इनोवेशन के अपने सफर में हम अपने ग्राहकों को अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और मजबूत सर्विस सपोर्ट प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वो डिजिटल परिवर्तन करने में समर्थ बन सकें।''

कैनन इंडिया ने विभिन्न उद्योगों में एसएमई, कॉर्पोरेट्स, सरकार, कॉपी शॉप मालिकों और प्रोफेशनल्स की गतिशील मांगों को पूरा करने के लिए लगातार अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। कंपनी की इमेजरनर और इमेजरनर एडवांस डीएक्स सीरीज़ ने प्रभावशाली और किफायती प्रिंटिंग समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इनोवेशन और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण की विरासत के साथ कैनन इंडिया प्रिंटिंग के परिदृश्य में सुधार लाने और उद्योग में नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कैनन इंडिया पूरे देश के व्यवसायों के लिए हाई-परफॉर्मेंस, सस्टेनेबल, और फ्यूचर-रेडी समाधान पेश करते हुए बाजार में लगातार अपनी स्थिति मजबूत करते रहने के लिए आशान्वित है।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने 2025-26 के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश लेने की घोषणा की

हैदराबाद /नई दिल्ली। बहुपक्षीय शिक्षण संस्थान महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने अकादमिक वर्ष 2025-26 के लिए अपने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए प्रवेश की घोषणा की है। इनमें एम.टेक, एमबीए, एमए (एजुकेशन), एलएलबी (ऑनर्स) के साथ ही हाल ही में शुरू किए गए एम.डेस और एमजेएमसी कार्यक्रम शामिल हैं। उद्योग के लिहाज से प्रासंगिक पाठ्यक्रम, अनुभवी एवं प्रख्यात शिक्षक के साथ ही अग्रणी संस्थानों के साथ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन के जरिए इन कार्यक्रमों का लक्ष्य सीखने के एक गतिशील पारितंत्र को बढ़ावा देना है।

दि स्कूल ऑफ डिजिटल मीडिया एंड कम्युनिकेशन का दो वर्षीय मास्टर ऑफ आर्ट्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (एमजेएमसी) कार्यक्रम को इस स्कूल के शानदार बुनियादी ढांचे, पारंपरिक एवं नई टेक्नोलॉजी जिसमें एआर/वीआर, एआई, एनिमेशन और वीएफएक्स और भावी विजन का लाभ मिलता है जिससे छात्रों को मीडिया प्रबंधन, रणनीतिक संचार, विज्ञापन, पीआर, समाचार, एआई और डेटा जर्नलिज्म, फिल्म निर्माण, डिजिटल रणनीति एवं कंटेंट में करियर बनाने के लिए अवधारणात्मक, तकनीकी और नैतिक क्षमता का निर्माण करने में मदद मिलती है। इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए पात्रता के मापदंड में विज्ञान, कला, वाणिज्य, इंजीनियरिंग या डिजाइन में स्नातक की डिग्री शामिल है। आवेदकों को एक प्रवेश परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा जिसके बाद उन्हें एक इंटरव्यू के चरण से गुजरना पड़ेगा। प्रवेश परीक्षा के बदले सीयूईटी (पीजी) और जीआरई (जनरल) स्कोर्स मान्य होगा।

दि स्कूल ऑफ डिजाइन इन्नोवेशन के दो वर्षीय मास्टर इन डिजाइन (एमडेस) कार्यक्रम, उद्योग में अनुभव रखने वाले पेशेवरों के लिए है जो एआई, एआर/वीआर और उद्योग के साथ गठबंधन के जरिए वास्तविक दुनिया की डिजाइन की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। इस कार्यक्रम के लिए आवेदन कर रहे विद्यार्थियों को एक चार वर्षीय डिग्री (इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर, डिजाइन, इंटीरियर डिजाइन, बीएफए या इसके समकक्ष) की या कला, विज्ञान या कंप्यूटर एप्लीकेशंस में एक मास्टर डिग्री के साथ पेशवर अनुभव की जरूरत होगी। आवेदकों को एक प्रवेश परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा जिसके बाद उन्हें एक इंटरव्यू के दौर से गुजरना होगा। प्रवेश परीक्षा के बदले सीयूईटी (पीजी) और सीईईडी स्कोर्स मान्य होंगे।

शार्क टैंक इंडिया 4: दिव्यांग स्पेशल एपिसोड में स्टार्टअप्स को मेंटर करेंगे जीत अदाणी

समावेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए शार्क्स के पैनल में शामिल होंगे श्रीकांत बोल्ला

मुंबई, एजेंसी। सोनी लिव गर्व के साथ शार्क टैंक इंडिया 4 का एक विशेष एपिसोड गेटवे टू शार्क टैंक-दिव्यांग स्पेशल पेश कर रहा है। यह पहल उन दिव्यांग व्यक्तियों और उन्हें सशक्त बनाने वाले इनोवेटर्स को प्रोत्साहित करने के लिए है, जो अपनी क्षमताओं से सीमाओं को लांघ रहे हैं।

अदाणी एयरपोर्ट्स के डायरेक्टर जीत अदाणी इस पहल में अहम भूमिका निभाएंगे। वे उन उद्यमियों को मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करेंगे, जो समावेशी नवाचार (इंक्लूसिव इनोवेशन) के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से वे ऐसे उद्यमों को ग्रांट प्रदान करेंगे, जो अपने आइडिया को बड़े स्तर पर ले जाने के लिए तत्पर हैं। इस खास एपिसोड में शार्क्स के पैनल में शामिल होंगे श्रीकांत बोल्ला, जो बोलांट इंडस्ट्रीज के को-फाउंडर, चेयरमैन और सीईओ हैं। वे एक दूरदर्शी उद्यमी हैं, जिन्होंने दृष्टिबाधित होने के

बावजूद अपनी कड़ी मेहनत और संकल्प से एक सफल बिजनेस साम्राज्य खड़ा किया है।

बोलांट इंडस्ट्रीज एक ऐसी कंपनी है, जो पैकेजिंग मटेरियल्स का निर्माण और निर्यात करती है, और दिव्यांगजनों समेत सैकड़ों लोगों को रोजगार देती है। अपनी प्रेरणादायक यात्रा के लिए उन्हें प्रतिष्ठित पद्मश्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। श्रीकांत बोल्ला (बोलांट के को-फाउंडर, चेयरमैन एवं सीईओ) ने कहा, '' मैं शार्क टैंक इंडिया 4 के इस खास एपिसोड का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूं।

यह एपिसोड समावेशिता और नवाचार की भावना को दर्शाता है। मैंने भी अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया है और उन्हें पार किया है। मेरा मानना है कि यह प्लेटफॉर्म दिव्यांग उद्यमियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और सही सहयोग पाने का बेहतरीन अवसर देता है।

टाटा प्ले और फैनकोड एक नये साझेदारी में बंधे है जहा टाटा प्ले फैनकोड स्पोर्ट्स पेश कर रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा प्ले फैनकोड के साथ साझेदारी में भारतीय दर्शकों के लिए एक्शन से भरपूर खेल कार्यक्रम लेकर आया है, जो डायरेक्ट-टू-होम और स्ट्रीमिंग द्वारा दर्शकों को उपलब्ध होंगे। इस साझेदारी द्वारा भारतीय दर्शकों को क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, गोल्फ और फॉर्मूला 1 आदि मोटरस्पोर्ट्स के रोमांचक खेल घर पर ही देखने को मिलेंगे। टाटा प्ले और फैनकोड की साझेदारी द्वारा दर्शकों को खेलों का पूरा मनोरंजन प्राप्त होगा। टाटा प्ले फैनकोड स्पोर्ट्स पर हर माह 100 घंटों से अधिक समय के लाईव खेल प्रसारित किए जाएंगे। इस पर कोराबाओ कप, कोपा डेल रे, कोनककफ चैंपियंस कप, वेस्ट इंडीज़ का ऑस्ट्रेलिया दौरा, जिंबाब्वे का दक्षिण अफ्रीका दौरा, एवं घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय टी20 लीग जैसे टूर्नामेंट्स सहित खेल के 8 प्रमुख टूर्नामेंट्स का प्रसारण होगा। फैनकोड स्पोर्ट्स डीटीएच सदस्यों के लिए एक ऐतिहासिक कदम में फॉर्मूला 1 का प्रसारण भी करेगा, जिससे टाटा प्ले के दर्शकों को 24 ग्रांड प्रिक्स वीकेंड का जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। लेविस हैमिल्टन के फेरारी पदार्पण के साथ रेड बुल के मैक्स वर्सटैपेन के साथ उनकी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा के अलावा, दर्शकों को क्रिस्टियानो रोनाल्डो, कायलियन मबाप्पे, मोहम्मद सालाह, लियोनेल मैसी, निकोलस पूरन, पैट कमिंस, कागिसो रबाडा, एडेन मर्कराम जैसे विश्वप्रसिद्ध खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर भी मिलेगा। टाटा प्ले की चीफ कमर्शियल एवं

- भारतीय दर्शकों को मिलेगा खेल का अतुलनीय रोमांच
- फैनकोड स्पोर्ट्स फैनकोड की एक प्लेटफॉर्म सेवा है, जो टीवी दर्शकों के लिए एफ1 का सारा एक्शन लेकर आती है

कंटेंट ऑफिसर, पल्लवी पुरी ने कहा, ''हम फैनकोड के साथ अपनी साझेदारी आगे बढ़ाकर बहुत उत्साहित हैं। हमारे इस सहयोग के द्वारा हम महत्वपूर्ण पहल करते हुए फॉर्मूला 1, पीजीए टूर, कोराबाओ कप, विश्व स्तरीय क्रिकेट एवं फुटबॉल आदि के खेल अपने दर्शकों के लिए लेकर आ सकेंगे ताकि वा टाटा प्ले डायरेक्ट-टू-होम और टाटा प्ले बिंज पर विभिन्न और विविध खेल कार्यक्रम देख सकें।

सुमित वुड्स को गुरु कृष्ण प्रोजेक्ट के लिए ओसी प्राप्त, बिके 97 प्रतिशत यूनिट्स

मुंबई, एजेंसी। सुमित वुड्स लिमिटेड एक प्रसिद्ध रियल एस्टेट रीडेवेलपमेंट कंपनी जो मुंबई बाजार में 38 वर्षों से अधिक का अनुभव रखती है, ने अपने प्रीमियम रिहायशी प्रोजेक्ट, गुरुकृष्ण, जो मुंबई के विले पार्ले ईस्ट में शाहजी राजे मार्ग पर स्थित है, के लिए आधिकारिक रूप से ऑप्यूपेशन सर्टिफिकेट प्राप्त कर लिया है। कुल 37,074 स्क्वेयरफीट के बिक्री योग्य क्षेत्र में फैला हुआ, गुरुकृष्ण प्रोजेक्ट आधुनिक शहरी जीवनशैली के लिए उपयुक्त और सोच-समझ कर डिज़ाइन किए गए विशाल आवास प्रदान करता है।

इस प्रोजेक्ट को बाजार से शानदार प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है, जिसमें 97 प्रतिशत यूनिट्स पहले ही बिक चुकी हैं। विले पार्ले ईस्ट के प्रतिष्ठित इलाके में स्थित यह विकास प्रमुख वाणिज्यिक और मनोरंजन केंद्रों से बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान करता है। प्रमुख सड़कों, रेलवे स्टेशनों और मुंबई के घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के नजदीक होने के कारण, गुरुकृष्ण बेहतरीन सुविधा सुनिश्चित करता है। प्रोजेक्ट में अत्याधुनिक सुविधाएँ, वर्तमान डिज़ाइन और प्रीमियम कंस्ट्रक्शन है, जो सुमित वुड्स लिमिटेड की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दिसंबर 2025 के अपने निर्धारित रेरा-स्वीकृत तारीख के नौ महीने पहले से ही पूरा हुआ यह प्रोजेक्ट, कंपनी की दक्षता और समय पर डिलीवरी पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को उजागर करता है।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एफ16 5जी लॉन्च किया

शानदार फीचर्स के साथ

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांडसैमसंगने आज अपने लोकप्रिय गैलेक्सी स्र सीरीज को और आगे बढ़ाते हुएगैलेक्सी एफ16 5जी लॉन्च किया है। यह फोन गैलेक्सी स्र सीरीज की खास पहचान को आगे बढ़ाते हुए कई बेहतरीन फीचर्स के साथ आता है, जिनमें शानदार डिस्प्ले, 50एमपी ट्रिपल कैमराऔरछह जेनरेशन तक एंड्रॉइड अपग्रेड व छह साल के सिक्योरिटी अपडेटशामिल हैं। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस डायरेक्टर अक्षय एस. रावने कहा, गैलेक्सी एफ16 5जी का लॉन्च हमारी उस प्रतिबद्धता को दोहराता है, जिसके तहत हम नए और उपयोगी नवाचारों के जरिए लोगों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करना चाहते हैं।

नया डिज़ाइन और शानदार डिस्प्ले

गैलेक्सी एफ16 5जी रिपल ग्लो फ़िनिश के साथ आता है, जो इसे बेहद आकर्षक बनाता है। सिर्फ 7.9एमएम पतले डिज़ाइनके साथ इसेस्टाइल और आरामदोनों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इस फोन में 6.7 इंच का डिस्प्ले दिया गया है, जो ज्यादा ब्राइट, गहरे रंगों और बेहतर कंट्रास्टके साथ शानदार विजुअल एक्सपीरियंस देता है।

बेहतरीन कैमरा सेटअप- गैलेक्सी एफ16 5जी कास्टाइलिश, लीनियर-ग्रुप्ड 50 एमपी ट्रिपल कैमरा सेटअपबेहतरीन फोटो और वीडियो लेने की सुविधा देता है। इसके अलावा, इसमें 13एमपी का फ्रंट कैमराभी दिया गया है, जिससे शानदार सेल्फी क्लिक की जा सकती हैं।

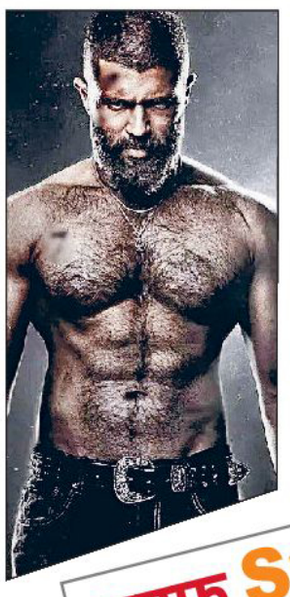

दो भागों में रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की 'किंगडम'

मुंबई। विजय देवरकोंडा अभिनीत एक्शन थ्रिलर फिल्म 'किंगडम' 30 मई को रिलीज होगी। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि 'किंगडम' को दो भागों में बनाया जाएगा, लेकिन अब फिल्म के निर्माता नामा वामसी ने आखिरकार इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। नागा वामसी ने रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा, 'हमने कहानी को केवल दो-भाग की फ्रेंचाइजी बनाने के लिए नहीं बढ़ाया। फिल्म में दो भागों में रिलीज होने की गुंजाइश और पैमाना है।' उन्होंने आगे कहा कि किंगडम स्क्रीनप्ले, लॉजिक, भव्यता और एक्शन के मामले में सभी कसौटियों पर खरा उतरता है।

लाइफ Style

तमन्ना

ब्रेकअप की अफवाहों के बीच खुद को किया मोटिवेट

इन दिनों तमन्ना भाटिया अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने ब्रेकअप की अफवाह को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि उनका और अभिनेता विजय वर्मा का ब्रेकअप हो चुका है। अब तक अभिनेत्री ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है। लेकिन हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट में वह खुद को ही मोटिवेट करती नजर आईं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा काफी समय से डेट कर रहे थे, इनकी शादी करने की खबर भी बीच में सुनने को मिली। फिर अचानक इनके ब्रेकअप की अफवाह और खबरें सामने आने लगीं। अब तक इस मुद्दे पर अभिनेत्री ने खुलकर कुछ नहीं कहा है, लेकि,न वह इशारों-इशारों में काफी कुछ कह रही हैं। इसके लिए सोशल मीडिया पोस्ट का भी सहारा लेती हैं। हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना ने एक पोस्ट साझा की, इसमें वह काफी मोटिवेशनल बात करती दिखीं। एक अवॉर्ड फंक्शन में शामिल होने के लिए तमन्ना ने सफेद रंग की एक खूबसूरत ड्रेस पहनी। इस ड्रेस में अपनी कुछ तस्वीरें तमन्ना ने इंस्टाग्राम पर साझा कीं। इन फोटो के साथ अभिनेत्री ने संदेश लिखा- 'यह रंग मुझे याद दिलाता है कि आकाश की कोई सीमा नहीं है।'

इस मैसेज के जरिए वह खुद को शायद मोटिवेट कर रही हैं। अपने ब्रेकअप की अफवाह के बीच ही तमन्ना ने होली का त्योहार भी मनाया, साथ ही अपने दोस्तों संग पार्टी भी की। पिछले दिनों होली पर भी तमन्ना भाटिया रवीना टंडन के घर पहुंचीं। इसके अलावा वह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी के साथ पार्टी करती भी दिखीं। तमन्ना भाटिया इस साल कुछ फिल्मों में भी नजर आएंगी। जल्द ही उनकी एक फिल्म 'ओडेला 2' रिलीज होगी।

हॉलीवुड मसाला

नताशा की नहीं होगी वापसी

लॉस एंजिल्स। स्कारलेट जोहानसन और मार्वल के फैंस के दिलों में ब्लैक विडो आज भी बसती है। यही कारण है कि जहां मल्टीवर्स के कारण पुराने किरदार लौट रहे हैं। एजेंट नताशा रोमनॉफ की वापसी की भी खूब चर्चा रही है। अब खुद स्कारलेट जोहानसन ने इस पर चुप्पी तोड़ी दी है। 40 साल की स्कारलेट जोहानसन ने एक इंटरव्यू में कहा, 'नताशा मर चुकी है। हां, वो मर चुकी है। ठीक है?' एक्ट्रेस ने साफ शब्दों में कहा है वह फैंस से यही कहना चाहेंगी कि अब नताशा की वापसी नहीं होगी।

आठ साल बाद पति से अलग हो रहीं ली सी यंग

लॉस एंजिल्स। साउथ कोरियन एक्ट्रेस ली सी यंग ने कथित तौर पर अपने आठ साल लंबे वैवाहिक जीवन के बाद पति से तलाक लेने के लिए अर्जी दी है। के-मीडिया समाचार आउटलेट वाईटीएन के मुताबिक 'स्वीट होम' के-ड्रामा स्टार और उनके पति मिस्टर जो, जो कि एक रेस्तरां के मालिक हैं। दोनों ने इस साल की शुरुआत में सियोल फैमिली कोर्ट में तलाक की कार्यवाही के लिए दस्तावेज जमा किए थे। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों के बीच तलाक की प्रक्रिया अब अंतिम रूप ले रही हैं, क्योंकि माना जाता है कि तलाक की मुख्य शर्तों पर सहमति बन गई है। 42 वर्षीय अभिनेत्री ने साल 2017 में मिस्टर जो से शादी की। नौ साल की उम्र के अंतर वाले इस जोड़े ने अपनी शादी के अगले साल एक बेटे को जन्म दिया। कोरियाई अभिनेत्री की तलाक के बारे में 'एस फैक्ट्री' ने भी दोनों के तलाक की पुष्टि की।

बॉयफ्रेंड पर खुलेआम प्यार लुटाते दिखीं

मुंबई। श्रद्धा कपूर कुछ दिनों से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। ऐसी खबर आ रही है कि वह राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार साथ में स्पॉट भी हुए हैं। यहां तक कि श्रद्धा सोशल मीडिया पर भी राहुल के साथ फोटोज शेयर करती हैं। अब एक्ट्रेस की राहुल के साथ एक क्लिप वायरल हो रही है जिसमें दोनों के बीच रोमांटिक मोमेंट नजर आ रहे हैं। दरअसल, एक क्लिप सामने आया है जिसमें श्रद्धा और राहुल गाड़ी की तरफ जाते हैं और उसके बाद एक-दूसरे को बाय बोलते हुए हग करते हैं। दोनों के इस रोमांटिक मोमेंट को देख फैंस दोनों को लेकर प्यारे कमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, फैंस तो इसकी उम्मीद भी कर रहे हैं कि दोनों शायद जल्द शादी करने वाले हैं। एक ने कमेंट किया राहुल की आरोही। एक ने लिखा, स्त्री और पुरुष। एक ने लिखा लगता है जल्द शादी करने वाले हैं।

'किक' के सीक्वल को लेकर हैं उत्साहित

मुंबई। जैकलिन फर्नांडीस साल 2014 में आई फिल्म 'किक' के दूसरे पार्ट का हिस्सा बनने की उम्मीद जताई है। उनके मुताबिक फिल्म ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। यह फिल्म साल 2009 में आई तेलुगु फिल्म 'किक' की रीमेक थी। फिल्म में सलमान खान, जैकलिन फर्नांडीस के अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और रणदीप हुड्डा भी थे। जैकलिन ने कहा 'मैं इस फ्रेंचाइज को लेकर बहुत उत्साहित हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर साजिद नाडियाडवाला या सलमान खान इसकी तस्दीक करें तो ज्यादा अच्छा होगा। मैं उम्मीद करती हूं कि ये फिल्म जल्दी बने, क्योंकि 'किक' को लोगों से खूब प्यार मिला था। इस फिल्म ने मेरी जिंदगी बदल दी थी।' जैकलिन ने 'मर्डर 2', 'रेस 3' और 'ढिशूम' जैसी फिल्मों में काम किया है। साल 2025 में उनकी कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं।

टीवी मसाला

'अनुपमा' की जगह बरकरार तारक मेहता ने मारी लंबी छलांग

नई दिल्ली। पिछले कुछ हफ्तों से रुपाली गांगुली वाला सीरियल 'अनुपमा' पहले स्थान पर बना हुआ है। इस बार की टीआरपी लिस्ट में भी यह पहले ही स्थान पर है। इसने अपनी जगह को बरकरार रखा है। इस हफ्ते सीरियल 'अनुपमा' की टीआरपी 2.4 है। सीरियल में मनीष गोयल ने एक नए किरदार में एंट्री की है, जिससे कहानी में नए मोड़ आए हैं। इस कारण दर्शक सीरियल से जुड़े हुए हैं। कई सालों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा कॉमेडी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भी अच्छी टीआरपी हासिल करता था। लेकिन कुछ समय से इसकी टीआरपी कम हो रही थी। हाल ही में इस सीरियल ने एक लंबी छलांग लगाई है। इस बार की टीआरपी लिस्ट में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' दूसरे स्थान पर है, इसकी टीआरपी 2.3 है। सीरियल 'उड़ने की आशा' और 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' तीसरे और चौथे स्थान पर है। दोनों की टीआरपी लगभग 2.2 रही है। 'उड़ने की आशा' में लीड रोल में कंवर ढिल्लों और नेहा हरसोरा हैं। पांचवें और छठे स्थान पर 'इमली' और 'मंगल लक्ष्मी-लक्ष्मी का सफर' जैसे सीरियल हैं, इनकी टीआरपी रेटिंग 1.8 रही। दोनों की टीआरपी में बहुत कम ही अंतर है। वहीं सातवें और आठवें स्थान पर 'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' और 'जादू तेरी नजर' जैसे सीरियल रहे हैं। इनकी टीआरपी भी लगभग 1.7 रही है। वहीं टॉप टेन में 'शिव शक्ति-तप त्याग तांडव' सीरियल ने भी जगह बनाई है, इसकी टीआरपी 1.3 रही है।

खतरों के खिलाड़ी 15 में बवाल काटने आ रहा है पारस छाबड़ा

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी के फेमस स्टंट शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' को लेकर इस वक्त काफी बज बना हुआ है। हर कोई बड़ी ही बेसब्री से इस शो के शुरू होने का इंतजार कर रहा है। 'खतरों के खिलाड़ी 15' में इस बार ज्यादातर नाम बिग बॉस से जुड़ी लोगों के सामने आ रहे हैं। बिग बॉस 18 के कई कंटेस्टेंट के नाम अब तक सामने आ चुके हैं। ऐसे में अब बिग बॉस ताजा खबर की रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शेट्टी के शो के लिए बिग बॉस 13 के एक्स कंटेस्टेंट रहे पारस छाबड़ा को अप्रोच किया गया है। बिग बॉस के घर में पारस ने जमकर हंगामा काटा था। पारस छाबड़ा इन दिनों अपने पॉडकास्ट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। पॉडकास्ट के दौरान ही पारस ने इस बात का खुलासा किया था कि उन्हें खतरों के खिलाड़ी के पिछले कई सीजन के लिए ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने करने से मना कर दिया था।

18 अप्रैल को रिलीज होगी 'केसरी चैप्टर 2'

मुंबई। अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'केसरी' ने शुक्रवार 21 मार्च को छह साल का सफर पूरा कर लिया। यह फिल्म साल 2019 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई और हिट रही। अब इसका सीक्वल भी आ रहा है। 'केसरी' की रिलीज पर मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सीक्वल 'केसरी चैप्टर 2' की झलक शेयर की है।

फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' में अक्षय कुमार के अलावा आर. माधवन भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इसके अलावा अनन्या पांडे भी फिल्म का हिस्सा हैं। करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी फिल्म अप्रैल में दस्तक देगी। यूं तो फिल्म को मार्च में होली के मौके पर रिलीज किया जाना था, लेकिन मेकर्स ने रिलीज डेट बदल दी। अब यह 18 अप्रैल को रिलीज होगी। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस, लियो मीडिया कलेक्टिव और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। भले ही फिल्म का नाम 'केसरी चैप्टर 2' है, लेकिन 2019 की 'केसरी' की कहानी से इसका लेना-देना नहीं है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने वीडियो शेयर किया है, जो केसरी का है। इसके साथ लिखा है, 'नया युद्ध, लेकिन जोश और आग वही'। उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'फिल्म 'केसरी' के छह साल पूरे होने का जश्न। केसरी के जज्बे का जश्न और साथ ही नए चैप्टर का जश्न, जो जल्द शुरू हो रहा है। अक्षय कुमार के इस पोस्ट पर यूजर्स सीक्वल के प्रति उत्साह जता रहे हैं और लिख रहे हैं बेसब्री से फिल्म का इंतजार है। एक यूजर ने लिखा, 'अक्षय कुमार का दौर कभी खत्म नहीं होगा'। एक यूजर ने लिखा, 'ब्लॉकबस्टर लोडिंग'। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म 'केसरी' में अक्षय कुमार के साथ परिणीति चोपड़ा भी नजर आईं। करीब 100 करोड़ रुपए बजट में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 155.70 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया।

इन भारतीय फिल्मों में दिखाई गई अंतरिक्ष की झलक, लोगों को अच्छी लगी कहानी

नई दिल्ली। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर हाल ही में अंतरिक्ष से धरती पर वापस लौटे हैं। ये दोनों बीते साल जून में महज आठ दिनों के लिए अंतरिक्ष में गए थे लेकिन वह नौ महीने बाद धरती पर वापस आए। दरअसल, जो यान उन्हें धरती पर वापस लाने वाला था वह खराब हो गया था। ऐसे मौके पर हम आपको उन भारतीय फिल्मों के बारे में बता रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष के बारे में दिखाया गया है।

जीरो

यह फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई थी। फिल्म में शाहरुख खान और अनुष्का शर्मा अहम किरदार में थे। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया था। फिल्म में अनुष्का शर्मा ने एक अंतरिक्ष वैज्ञानिक का किरदार निभाया है। फिल्म में अंतरिक्ष के बारे में दिखाया गया है।

मिशन मंगल

'मिशन मंगल' फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, विद्या बालन और सोनाक्षी सिन्हा अहम किरदार में थे। फिल्म में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के वैज्ञानिकों की कहानी दिखाई गई है। इन लोगों ने मंगल मिशन में योगदान दिया था।

रॉकेट्री

'रॉकेट्री' फिल्म साल 2022 में रिलीज हुई थी। फिल्म को आर. माधवन ने लिखा था और इसका निर्देशन किया था। यह फिल्म अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के वैज्ञानिक नांबी नारायण की जिंदगी पर आधारित है। इस फिल्म में भी अंतरिक्ष की झलक दिखाई गई है।

कोई मिल गया

'कोई मिल गया' फिल्म साल 2003 में आई थी। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा थीं। फिल्म का निर्देशन राकेश रोशन ने किया था। फिल्म में अंतरिक्ष से आए एलियन को दिखाया गया था। 'कृष', और 'कृष 3' इसी की अगली कड़ी हैं।

कार्गो

'कार्गो' फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। फिल्म में विक्रांत मेसी और श्वेता त्रिपाठी अहम किरदार में थे। फिल्म में अंतरिक्ष के बारे में दिखाया गया है। फिल्म में एक खास जहाज के बारे में दिखाया गया है। इसमें मरने के बाद दोबारा जिंदा होने की कहानी दिखाई गई है।

'जय संतोषी मां' से घर-घर में छाईं कनन कौशल

ब्लॉकबस्टर फिल्म देने पर भी फीका रहा कॅरियर

नई दिल्ली। अभिनेत्री कनन कौशल ने 21 मार्च को अपना 86वां जन्मदिन मनाई। कनन मुख्य रूप से मराठी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 1975 की बॉलीवुड हिट 'जय संतोषी मां' में सत्यवती व्यास की भूमिका के लिए पहचान हासिल की। अभिनेत्री का असली नाम इंदुमती पैगनकर है, जिन्हें बाद में कनन कौशल के नाम से जाना गया।

कई भाषा की फिल्मों में नजर आईं कनन

कनन कौशल का जन्म 21 मार्च, 1939 को बड़ौदा में इंदुमती शेठ के रूप में हुआ था। 'गोमांतक मराठा' समुदाय से आने वाली कनन ने अपना करियर मंच से शुरू किया और फिल्मों में आने से पहले थिएटर में बड़े पैमाने पर काम किया। कनन कई मराठी, गुजराती, भोजपुरी और हिंदी-मराठी फिल्मों में दिखाई देती थीं। अब उन्होंने सिनेमा से दूरी बना ली है।

कई दिग्गज सितारों के साथ किया काम

वह 1963 में फिल्म इंडस्ट्री में शामिल हुईं और बदतमीज (1966) जैसी फिल्मों में सहायक भूमिकाएं निभाईं, जहां उन्होंने शम्मी कपूर की बहन, परदेसी (1970), घूंघट (1971), मेला (1971) और ये गुलिस्तान हमारा (1972) में भूमिका निभाई। उन्होंने संजीव कुमार के साथ जिगर अने अमी (1970), धरती ना छोरू (1970), गुणसुंदरी नो घर संसार (1972) और असरानी के निर्देशन में बनी अमदावद नो रिक्शावालो (1974) जैसी गुजराती फिल्में भी कीं, जो एक कल्ट फिल्म बन गईं। उनकी कुछ प्रसिद्ध मराठी फिल्में हैं, जिनमें राजा शिव छत्रपति (1974), वरात (1975), पाहुनी (1976) और चंद्र होता साक्षीला (1978) शामिल हैं।

एक फिल्म से घर घर में छाईं कनन

1975 में एक छोटी सी फिल्म आई 'जय संतोषी मां', जो मामूली बजट की थी और अज्ञात कलाकारों वाली फिल्म थी। यह फिल्म भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई। इसमें मुख्य भूमिका निभाकर कनन घर-घर में मशहूर हो गईं और उन्हें इंडस्ट्री में भी खास पहचान मिली। हालांकि, इसके बावजूद उनका कॅरियर कुछ खास नहीं चमक पाया। दरअसल, कनन को उम्मीद थी कि 'जय संतोषी मां' की बड़ी सफलता के बाद उन्हें अच्छी भूमिकाएं मिलेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और वह चरित्र भूमिकाओं और पौराणिक फिल्मों में काम करती रहीं। उनकी कुछ बेहतरीन फिल्मों में माया मच्छिन्द्रा (1975), बिदाई (1974), राम भरोसे (1977), जय द्वारकाधीश (1977), जय गणेश (1978), मान अपमान (1979), घर की लाज (1979), संत ज्ञानेश्वर (1983), भगवान दादा (1986), जाग उठा इंसान (1984), तूफान (1989), सनम आप की खातिर (1992) और जीवन दाता (1991) जैसी फिल्में शामिल हैं। कनन कौशल 1990 के दशक की शुरुआत तक इंडस्ट्री में सक्रिय रहीं, इसके बाद उन्होंने सिनेमा से दूरी बना ली।

इंडो-अमेरिकन फिल्म के लिए साथ आए मनोज-राणा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी साउथ सुपरस्टार राणा दग्गुबाती द्वारा निर्मित अमेरिकी निर्देशक बेन रेखी की आने वाली अनाम फिल्म में नजर आएंगे। पिंजर (2003) की रिलीज के बाद मनोज बाजपेयी अभिनेता फ्रैंक लैंगेला के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म में अभिनय करने वाले थे, लेकिन यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हुआ। दो दशक से अधिक समय बाद मनोज बाजपेयी ने अपनी फिल्मोग्राफी में एक इंडो-अमेरिकन फिल्म को जोड़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता अब अमेरिकी फिल्म निर्माता बेन रेखी द्वारा निर्देशित एक अनाम हिंदी सोशल ड्रामा फिल्म में काम कर रहे हैं, जिन्होंने पहले आश्रम (2018) और वॉच लिस्ट (2019) का निर्देशन किया था। फिल्म का निर्माण राणा दग्गुबाती ने किया है, जो मनोज बाजपेयी के साथ उनका पहला सहयोग है। यह कथित तौर पर मनोज बाजपेयी की पहली इंडो-अमेरिकन फिल्म भी होगी। बेन रेखी इस अनाम नाटक की कहानी लिखी है। यह कहानी मनोज बाजपेयी द्वारा अभिनीत एक आम आदमी पर आधारित है, जिसकी पारिवारिक कठिनाइयां उसे एक उद्देश्य के लिए लड़ने के लिए मजबूर करती हैं।

बीसीसीआई ने की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के पुरस्कार वितरण की घोषणा

15 खिलाड़ियों और कोच को 3-3 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने आईएएनएस से कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने आईएएनएस को बताया है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली टीम इंडिया के लिए घोषित 58 करोड़ रुपये के नकद इनाम में से 15 खिलाड़ियों और मुख्य कोच गौतम गंभीर को 3-3 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने इस आठ टीमों के टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने ग्रुप ए में बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद, फाइनल में न्यूजीलैंड को मात देकर 9 मार्च को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में अपनी तीसरी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इस इनाम की राशि उन खिलाड़ियों को भी मिलेगी जो टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं खेले, जैसे अर्शदीप सिंह, ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर। सैकिया ने यह भी बताया कि बाकी कोचिंग स्टाफ - बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, सहायक कोच अभिषेक नायर और रयान टेन डोशेट, फील्डिंग कोच टी दिलीप, और फिजियोथेरेपिस्ट कमलेश जैन व योगेश परमार, टीम डॉक्टर आदित्य दफ्तरी, थ्रोडाउन विशेषज्ञ राघवेंद्र द्विगी, नुवान उडेनेक और दयानंद गरानी, मसाजर चेतन कुमार, राजीव कुमार और अरुण कानाडे, और कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को 50-50 लाख रुपये मिलेंगे

। इसके अलावा, बीसीसीआई से जुड़े अन्य अधिकारी जैसे वीडियो एनालिस्ट हरी प्रसाद मोहन, लायजन ऑफिसर और मीडिया मैनेजर को 25-25 लाख रुपये मिलेंगे। बीसीसीआई सचिव ने बताया कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर को 30 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि अन्य सदस्य - सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा, एस शरत और शिव सुंदर दास को 25-25 लाख रुपये दिए जाएंगे। सैकिया ने यह भी बताया कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विजेता भारतीय टीम को लगभग 19.45 करोड़ रुपये इनाम में दिए, जो केवल खिलाड़ियों में बांटे गए। प्रत्येक खिलाड़ी को 1.43 करोड़ रुपये मिले। सैकिया ने गुरुवार को जारी बीसीसीआई के बयान में कहा, खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को यह इनाम देना हमारे लिए गर्व की बात है। उनकी मेहनत और रणनीतिक खेल की बदौलत भारत विश्व क्रिकेट में शीर्ष पर पहुंचा है। यह जीत सफेद गेंद क्रिकेट में भारत की श्रेष्ठता साबित करती है, और हमें विश्वास है कि टीम आने वाले वर्षों में और ऊंचाइयों को छुएगी। उन्होंने आगे कहा, खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए समर्पण और प्रतिबद्धता ने एक नया मानदंड स्थापित किया है, और हमें विश्वास है कि भारतीय क्रिकेट वैश्विक मंच पर अपना मानक ऊंचा करता रहेगा।

चहल के तलाक के बीच आरजे महवश की पोस्ट वायरल, धनश्री पर साधा निशाना!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा का आज आधिकारिक तौर पर तलाक होने की जानकारी सामने आई है। इससे पहले आरजे महवश ने 19 मार्च बुधवार की रात को एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर की। यह पोस्ट उस समय की है जब लेग स्पिन गेंदबाज को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में आरजे महवश के साथ देखे जाने के बाद सूर्खियां बटौरी थी। आरजे महवश को 34 वर्षीय क्रिकेटर के साथ प्रीमियम स्टैंड में से एक में देखा गया था। आरजे महवश ने इंस्टाग्राम पर हाल ही में पोस्ट किया, झूठ, लालच और फरेब से परे हैं..खुदा का शुक्रिया आज भी खड़े हैं... धनश्री वर्मा से चल रहे तलाक के बीच आरजे महवश के पोस्ट से चहल-धनश्री की स्थिति की ओर इशारा करने का अनुमान लगाया जा रहा है।

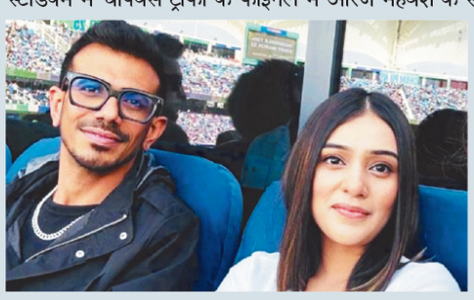

झूठ, लालच और धोखे का संदर्भ देने वाले हिंदी शब्दों के इस्तेमाल वाली पोस्ट ने सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित किया। क्रिकेटर ने पोस्ट के ऑनलाइन होते ही इसे लाइक कर दिया जिससे ऑनलाइन चर्चा शुरू हो गई। युजवेंद्र चहल के प्रशंसकों ने पोस्ट पर तुरंत प्रतिक्रिया दी, जिसे 2.73 लाख से ज़्यादा लाइक और कई कमेंट मिले हैं। एक यूजर ने लिखा, चहल ने 10 सेकंड में लाइक किया। दूसरे यूजर ने टिप्पणी की, चहल भाई ने ऑटो लाइक नहीं किया है क्या। तीसरे यूजर ने जवाब दिया, चहल भैया का आईपीएल में कमबैक देखो अब। चौथे यूजर ने कमेंट किया, चहल भाई ने पोस्ट अपलोड होते ही सबसे पहले लाइक किया। रिपोर्ट के अनुसार बॉम्बे हाई कोर्ट ने बांद्रा मजिस्ट्रेट कोर्ट को चहल-धनश्री मामले में तलाक की कार्यवाही में तेजी लाने का निर्देश दिया। तलाक की याचिका इस साल 5 फरवरी को आपसी सहमति से पारिवारिक अदालत में दायर की गई थी। आज यानी 20 मार्च को अंतिम अदालती फैसला आने की उम्मीद है। हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा, चूंकि याचिकाकर्ता नंबर 1 (चहल) आईपीएल में भाग ले रहे हैं, इसलिए वकील ने सूचित किया है कि वह 21 मार्च के बाद उपलब्ध नहीं हो सकते हैं।

रियान पराग करेंगे राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी, पहले 3 मैच में बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खेलेंगे संजू सैमसन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के पहले तीन मुकाबलों में रियान पराग राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करेंगे। असम का यह बल्लेबाज टीम का अस्थायी कप्तान है। नियमित कप्तान संजू सैमसन पहले तीन मुकाबलों में खेलेंगे, लेकिन सिर्फ बतौर बल्लेबाज। वह संभवतः इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतरेंगे।

संजू सैमसन की ओर से एक अनौपचारिक टीम चैट के दौरान रियान पराग की कप्तानी की खबर का खुलासा किया गया। इसका वीडियो राजस्थान रॉयल्स के सोशल मीडिया हैंडल की ओर से पोस्ट किया गया था। संजू सैमसन ने टीम को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं अगले तीन मैचों के लिए अभी पूरी तरह से फिट नहीं हूं।' उन्होंने कहा, 'इस टीम में कई लीडर हैं। पिछले कुछ वर्षों में कुछ बेहतरीन लोग रहे हैं, जिन्होंने इस माहौल का बहुत अच्छे से ख्याल रखा है। अगले तीन मुकाबलों के लिए रियान टीम की कप्तानी करेंगे। मुझे उम्मीद है कि हर कोई उनका समर्थन करेगा और उनके साथ रहेगा।'

संजू सैमसन हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 इंटरनेशनल के दौरान लगी अपनी दाहिनी तर्जनी अंगुली की चोट उबरे हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज को इसके लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। उन्होंने अपनी रिकवरी में तेजी से प्रगति की है। संजू सैमसन उन प्रमुख भारतीय खिलाड़ियों में से एक थे जिनकी चोट से उबरना आईपीएल से पहले सवालों के घेरे में था। बल्लेबाजी करते समय उनकी फिटनेस में संतोषजनक प्रगति हुई थी, लेकिन विकेटकीपिंग करते समय 30 वर्षीय खिलाड़ी को काफी असुविधा हो रही थी। रियान पराग जहां पहले तीन मैचों में कप्तानी करने के लिए तैयार हैं, वहीं संजू सैमसन मुंबई में आईपीएल कप्तानों की बैठक में राजस्थान रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। पिछले हफ्ते क्रिकबज की रिपोर्ट में कहा गया था कि संजू सैमसन को अभी विकेटकीपिंग फिटनेस टेस्ट पास करना बाकी है। अब राजस्थान रॉयल्स कैंप के नवीनतम अपडेट से संकेत मिलता है कि उनके नियमित कप्तान को सीजन के चौथे मैच से पहले बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ से अपनी फिटनेस पर पूरी मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

मियामी ओपनः

निक किर्गियोस ने 896 दिनों में दर्ज की अपनी पहली जीत

मियामी, एजेंसी। निक किर्गियोस ने मियामी ओपन में अमेरिकी क्वालीफायर मैकेंजी मैकडोनाल्ड को हराकर 2022 के बाद अपना पहला एटीपी टूर मैच जीता। 29 वर्षीय किर्गियोस पिछले 18 महीनों से पैर और कलाई की चोटों से परेशान थे और इस साल की शुरुआत में उन्होंने दोबारा खेलना शुरू किया।

कलाई की लगातार तकलीफ के कारण किर्गियोस पिछले दो साल से टेनिस से दूर थे। कुछ हफ्ते पहले इंडियन वेल्स में उन्हें पहले ही दौर में मैच छोड़ना पड़ा था, लेकिन मियामी ओपन में उन्होंने मैकडोनाल्ड को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर शानदार वापसी की। अक्टूबर 2022 में जापान ओपन में दूसरे दौर के मुकाबले के बाद से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को जीत नहीं मिली थी और यह अब यह जीत 896 दिनों के बाद आई।

कलाई की चोट के चलते किर्गियोस का करियर खतरे में पड़ गया था, लेकिन अब इस जीत को वह अपनी वापसी का सबसे बड़ा पल मानते हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए लंबा सफर रहा है। कई बार तो मैच खेलना भी डराने वाला था कि मैं इसे पूरा कर पाऊंगा या नहीं। लेकिन अब एक जीत हासिल करके यह महसूस करना कि मैं फिर से इस खेल का हिस्सा हूं, बहुत खास अहसास है। अब उनका अगला मुकाबला 22वीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव से होगा, जिनसे वह 2022 यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में हार चुके हैं। इस बार किर्गियोस उस हार का बदला लेना चाहेंगे।

किर्गियोस, जो अब तक अपने सातों खिताब हार्ड कोर्ट पर जीत चुके हैं, मियामी ओपन में पांच बार चौथे दौर तक पहुंचे हैं। यह टूर्नामेंट उनके लिए सबसे सफल मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता रही है। उन्होंने कहा, मियामी में खेलते हुए मुझे हमेशा अच्छा महसूस होता है। मैं अपने प्रदर्शन पर गर्व महसूस कर रहा हूं।

इस स्तर पर आपको कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी होती है। यह सोच पाना भी मुश्किल है कि सर्जरी के बाद मैं यहां खड़ा हूं और फिर से जीत रहा हूं। फिलहाल 892वें रैंकिंग पर मौजूद किर्गियोस ने आगे कहा, मेरे लिए यह सफर बेहद कठिन था। फिर से टेनिस खेल पाना किसी चमत्कार से कम नहीं था। मैं मुश्किल हालात में मजबूत बने रहना चाहता था, लेकिन यह सफर आसान नहीं था।

कैफ ने बताया

हार्दिक ने मानसिक यातना और अपमान सहा, मुंबई के कप्तान की बॉयोपिक में किसका जिक्र होना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2025 से पहले सुझाव दिया कि अगर हार्दिक पंड्या पर कोई बॉयोपिक बनाई जाए तो उसमें इस बात का जिक्र जरूर होना चाहिए कि उन्होंने किस तरह से कड़ी आलोचनाओं से पार पाया और फिर दमदार वापसी की। आईपीएल 2024 से ठीक पहले हार्दिक पंड्या गुजरात टाइटंस को छोड़कर मुंबई इंडियंस में शामिल हो गए थे और रोहित को हटाकर उन्हें टीम का कप्तान बना दिया गया था। इसके बाद उनकी हर जगह जमकर आलोचना की गई और फैंस ने उनका खूब मजाक बनाया।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के बीच खेले गए मैच के दौरान मिसफील्ड के कारण हार्दिक को हूटिंग का सामना करना पड़ा था। यही नहीं वो जहां भी जाते थे फैंस उनका जमकर हूटिंग करते थे। कैफ ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में बताया कि हार्दिक ने मानसिक तनाव और अपमान सहा, जिसका सामना किसी भी खिलाड़ी को नहीं करना चाहिए। हालांकि उन्होंने हार्दिक की तारीफ करते हुए कहा कि वो दबाव के आगे नहीं झुके और इसके बजाय शेर की तरह लड़ते हुए सफल वापसी की।

लोगों ने हार्दिक को खत्म मान लिया

कैफ ने कहा कि हार्दिक ने उस दर्द को अपने तक ही सीमित रखा और आगे बढ़ गए। यही हार्दिक पंड्या की वापसी की कहानी है। यह एक बुरा सफर था। प्रशंसकों ने उन्हें हूट किया और लोगों ने उन्हें खत्म मान लिया। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं आपको बता सकता हूं, बेइज्जतीज्अपमान के साथ आगे बढ़ना, उसे सहना, सबसे गहरा जख्म होता है।

टेक्नो और केकेआर की दमदार जोड़ी के साथ अब हर सिग्नल पर जीत पक्की

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट फैंस, तैयार हो जाइए! जोश और नई टेक्नोलॉजी का दूसरा नाम, यानि इनोवेटिव टेक ब्रांड, टेक्नो अब आईपीएल की धाकड़ टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ जुड़ गया है। क्रिकेट और युवाओं के जुनून को सलाम करने के लिए की गई इस धमाकेदार साझेदारी के साथ खेल अब पहले से भी ज्यादा व्यापक और रोमांचक होने वाला है। भारत में क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि जश्न, जज़्बात और ज़िंदगी का हिस्सा है। टेक्नो हमेशा से ही अपने दमदार और स्टाइलिश स्मार्टफोन्स के ज़रिए फैंस को गेम से जोड़े रखने में आगे रहा है।

अब सिग्नल जीत का के साथ, टेक्नो यह सुनिश्चित करेगा कि हर चौका, हर विकेट और हर सुपर ओवर आपके फोन तक बिना किसी रुकावट के पहुँचे। टेक्नो मोबाइल इंडिया के सीईओ, अरिजीत तालापात्रा ने कहा, हम कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ साझेदारी करके बेहद उत्साहित हैं। क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक जज़्बात है,

जो लाखों लोगों को जोड़ता है। यह भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के टेक्नो के मिशन से पूरी तरह मेल खाता है। सिग्नल जीत का पहल के ज़रिए हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि फैंस हमेशा जुड़े रहें और रोमांचक मैच का कोई भी पल न चूकें।

जिस तरह केकेआर मैदान में अपनी जी जान डाल देता है, ठीक उसी प्रकार हम भी अपने ग्राहकों को बेहतरीन टेक्नोलॉजी देने के लिए काम करते हैं, जिससे फैंस हम से और खेल के हर पल के साथ जुड़े रहें। केकेआर का मूलमंत्र कोरबो लोरबो जीतबो टेक्नो के स्टॉप एट नथिंग सिद्धांत से बखूबी मेल खाता है, जो मेहनत, टीमवर्क और क्रिकेट की धड़कन को दर्शाता है।

यह साझेदारी भारत के उन युवाओं से जुड़ने की टेक्नो की प्रतिबद्धता को दिखाती है, जो टेक्नोलॉजी और स्पोर्ट्स के लिए खास जुनून रखते हैं। अपने एडवांस प्रोडक्ट्स और दमदार सिग्नल कनेक्टिविटी के साथ, टेक्नो यह साबित करता है कि वह परफॉर्मेंस, एक्सीलेंस और शानदार कनेक्टिविटी को हर पहलू पर प्राथमिकता देता है।नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के सीएमओ, बिंदा डे ने कहा, भारत में क्रिकेट के विकास में टेक्नोलॉजी की भूमिका अहम् है। टेक्नो के साथ हमारी साझेदारी इस दिशा में एक बेहतरीन अवसर है। नाइट राइडर्स के रूप में, हमारी कोशिश हमेशा से यही रही है कि हम अपने फैंस को खेल के और करीब लाएँ और एक जबरदस्त अनुभव दें। इस साझेदारी के ज़रिए भी हमारा उद्देश्य यही रहेगा।

हर आईपीएल सीजन खुद को विकसित करने और बनने का मौका होता है: सुरेश रैना

मुंबई, एजेंसी। शनिवार से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सीजन से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने भारतीय क्रिकेट की प्रतिभाओं को उभारने वाले इस लीग के प्रभाव की सराहना की और लीग में अपने कुछ पसंदीदा आधुनिक सितारों का नाम लिया। आईपीएल का नया सीजन शनिवार को ईडन गार्डन्स में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले के साथ शुरू होगा। रैना को लीग के इतिहास के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक माना जाता है जिन्होंने 205 मैचों में एक शतक और 39 अर्द्धशतक के साथ 5,528 रन बनाए हैं जिससे वह प्रतियोगिता में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ कई बार आईपीएल चैंपियन रह चुके हैं। जियोहॉटस्टार पर बोलते हुए रैना ने कहा कि लीग न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में एक उत्सव है। उन्होंने तिलक वर्मा, यशस्वी जायसवाल और रिंकू सिंह जैसी आधुनिक प्रतिभाओं की भी प्रशंसा की और कहा कि वह उनके प्रशंसक हैं।

संन्यास से वापसी पर सुनील छेत्री का गोल

पिछले साल जून में लिया था रिटायरमेंट, भारत की मालदीव पर 3-0 से जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री रिटायरमेंट से वापस लौट आए हैं। उन्होंने बुधवार को एक दोस्ताना मुकाबले में मालदीव के खिलाफ वापसी की। इस मुकाबले में भारत ने मालदीव को 3-0 से हराया। यह 16 महीनों में भारत की पहली जीत है। इससे पहले, भारत को आखिरी जीत 16 नवंबर, 2023 को 2026 फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफाइंग राउंड मैच में कुवैत (1-0) के खिलाफ मिली थी। वहीं, मनोलो मार्केज की कोचिंग में टीम ने पहली जीत दर्ज की है। मार्केज को पिछले साल जुलाई में हेड कोच बनाया गया था। छेत्री ने 77वें मिनट में हेडर से गोल किया मैच में राहुल भेके ने 35वें मिनट में गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। जबकि लिस्टन कोलाको ने 66वें मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया। पिछले साल जून में संन्यास लेने के बाद नेशनल टीम में वापसी करने वाले 40 साल के छेत्री ने इस दिन को यादगार बना दिया। उन्होंने 77वें मिनट में हेडर से गोल किया, यह भारत के लिए उनका 152 मैचों में 95वां इंटरनेशनल गोल किया है। मालदीव दुनिया में 162वें स्थान पर है, जो भारत (126) से 36 स्थान नीचे है। छेत्री ने पिछले साल जून में लिया था रिटायरमेंट छेत्री ने इस महीने की शुरुआत में अपने इटरनेशनल संन्यास से वापसी का ऐलान किया था। छेत्री ने पिछले साल जून में कुवैत के खिलाफ फीका वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर मैच के बाद इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया था। वे अब 25 मार्च से शुरू हो रहे स्रष्ट एशियन कप 2027 के तीसरे राउंड क्वालिफायर में खेलेंगे।

भारत ग्रुप-सी में शामिल भारत को एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर के तीसरे राउंड में ग्रुप सी में बांग्लादेश, हांगकांग, चीन और सिंगापुर के साथ रखा गया है।

बाबर आजम ही हैं बर्बादी की वजह! प्लेइंग-11 से बाहर होते ही टीम को मिली शानदार जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। महज 2 साल पुरानी बात है जब बाबर आजम को सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि विश्व क्रिकेट का सबसे बड़ा बल्लेबाज बताया जा रहा था. पाकिस्तान क्रिकेट एक्सपर्ट्स और फैंस तो उनकी तुलना सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों से भी कर रहे थे. मगर 2 साल के अंदर हालात बदल गए हैं और अब उनका टीम में होना जीत नहीं, बल्कि हार की गारंटी बनता जा रहा है. लगातार खराब प्रदर्शन के कारण बाबर को हाल ही में पाकिस्तान की टी20 टीम से ड्रॉप कर दिया गया. ऐसे वक्त में बाबर फिलहाल घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं लेकिन यहां भी उनके रहते

हुए टीम को हार मिल रही है, जबकि बिना उनके टीम को लगातार जीत मिल रही है. चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तानी टीम के ग्रुप स्टेज से ही बाहर होने और बाबर आजम के लगातार खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें टी20 टीम से ड्रॉप कर दिया गया. बाबर और मोहम्मद रिजवान जैसे दिग्गजों के बिना ही पाकिस्तानी टीम युवा खिलाड़ियों के साथ न्यूजीलैंड दौरे पर है. हालांकि, पाकिस्तानी टीम का प्रदर्शन उनके बिना भी नहीं सुधरा है और उससे हार ही मिल रही है. मगर घरेलू मोर्चे पर बाबर का न होना उनकी टीम के लिए फायदे का सौदार साबित हो रहा है. इन दिनों पाकिस्तान के डॉमेस्टिक टूर्नामेंट नेशनल टी20 कप में बाबर लाहौर रीजन ब्लूज के लिए खेल रहे हैं. इसके कारण टीम 172 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी थी और बुरी तरह हार गई थी. टीम को उम्मीद तो यही रही होगी कि बाबर के आने से उनकी ताकत बढ़ेगी और वो आसानी से जीत जाएंगे लेकिन जो हुआ वो उम्मीदों के विपरीत था.

ड्रॉप हुए तो टीम को मिली जीत

अगले ही मैच में बाबर प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे और लाहौर ब्लूज उनके बिना ही मैदान पर उतरी. अब इसे संयोग कहें या कुछ और, लाहौर ने इस मैच को आसानी से जीत लिया.

ब्लूज ने इस मैच में पहले तो डेरा मुराद की टीम को सिर्फ 100 रन पर रोक दिया. इसके बाद 14 ओवर के अंदर 2 विकेट खोकर ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया.

प्रदेशभर में इस वर्ष लगाए जाएंगे 10 करोड़ पौधे भावी पीढ़ी के लिए हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का लें संकल्प - भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 7 करोड़ पौधे लगाए गए तथा बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

शर्मा शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जयपुर के राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हमारी संस्कृति में पेड़, प्रकृति एवं पहाड़ों की पूजा की जाती है तथा राजस्थान का पर्यावरण संरक्षण से पुराना नाता रहा है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि हम वनों को बचाने और अपनी जैव-विविधता को संरक्षित करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का संकल्प लें।

प्रदेश के गोडावण संरक्षण के प्रयासों की हो रही सराहना-

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी वन, पर्यावरण एवं जलवायु संतुलन के प्रयासों में एक वैश्विक लीडर बनकर उभरे हैं। ग्लासगो में आयोजित कोप 26 के दौरान प्रधानमंत्री जी ने दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पांच प्रतिबद्धताएं अर्थात पांच अमृत तत्व रखे हैं, जिनमें वन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रीय वन्यजीव मंडल की बैठक में गोडावण पर राज्य में किए जा रहे संरक्षण कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय गोडावण संरक्षण एक्शन प्लान की भी घोषणा की है।

रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल को बढ़ावा दे रही राज्य सरकार-

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर हमारी सरकार श्री आर यानी रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल को बढ़ावा देकर कचरे के प्रभावी प्रबंधन, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और संसाधन दक्षता पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने बजट 2025-26 में राजस्थान सर्कुलर इकोनॉमी इन्सेंटिव स्कीम 2025 की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश की देशभर में नई पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि हरित आवरण में कृषि वानिकी की इस महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए हमारी सरकार राज्य में पहली बार कृषि वानिकी नीति ला रही है। इसी तरह राज्य सरकार द्वारा स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण एवं विस्तार हेतु "एक जिला एक प्रजाति" कार्यक्रम, सभी जिलों में मातृ वन की स्थापना, वन रक्षकों की भर्ती जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। साथ ही, हमारी सरकार द्वारा ग्रासलैंड के महत्व को समझते हुए राज्य में वृहद स्तर पर ग्रासलैंड संरक्षण एवं विकास के कार्य एवं घड़ियाल संरक्षण के लिए सवाई माधोपुर में पालीघाट के निकट एक घड़ियाल रियरिंग सेंटर की स्थापना की जा रही है।

प्रदेशवासियों को मिली इन परियोजनाओं की सौगात-

शर्मा ने इस अवसर पर वन विभाग द्वारा विभागीय कार्यो में पारदर्शिता लाने हेतु नवीनतम आईटी तकनीक के उपयोग से विकसित 'डिजी-वन-फोरेस्ट स्टैक' एप का शुभारम्भ किया, जो कि देशभर का पहला डिजिटल फोरेस्ट स्टेक है।

साथ ही, उन्होंने सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में इको टूरिज्म फैसिलिटीज तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर व नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में गोल्फ कार्ट सुविधा को प्रदेश की जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं राजस्थान में जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन (सीआरईएसईपी) के लोगो का अनावरण तथा वन प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान का रिमोट का बटन दबाकर डिजिटल माध्यम से शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वनमित्रों को किट वितरित किए तथा वन विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पौधरोपण किया तथा गोल्फ कार्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वृक्षारोपण को एक जन अभियान बनाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में हुए उत्कृष्ट कार्यों का प्रधानमंत्री जी ने मन की बात कार्यक्रम में विशेष उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पौधरोपण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा के लिए मॉनिटरिंग की भी अनूठी व्यवस्था की गई है। इसी तरह वन विभाग द्वारा वन सुरक्षा एवं प्रबंधन समिति के रजिस्ट्रीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। जापान इंटरनेशनल कॉपरेशन एजेन्सी (जाइका) के एजि वाकामास्तु द्वारा भी कार्यक्रम को संबोधित किया गया।

समारोह में विधायक महेन्द्र पाल मीणा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन अपर्णा अरोड़ा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी, शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार अर्चना सिंह, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक निधु सक्सेना सहित संबंधित विभाग के अधिकारीगण एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

रूस के साखा गणराज्य के प्रतिनिधिमंडल ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। शुक्रवार को रूस के साखा गणराज्य (याकुतिया) के उपाध्यक्ष किम बोरिसोव के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव सुधांश पंत से सचिवालय में मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और आपसी सहयोग के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक का उद्देश्य दोनों क्षेत्रों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, व्यापार, उद्योग, कृषि, खनिज संपदा और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संबंधों को प्रगाढ़ करना था।

मुख्य सचिव ने साखा गणराज्य के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए राजस्थान में निवेश के लिए उपयुक्त वातावरण, मजबूत बुनियादी ढांचा और निवेश को प्रोत्साहन देने वाली राज्य सरकार की नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल सदस्यों के साथ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश का नीतिगत ढांचा निवेशकों के अनुरूप होने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन, प्रचुर खनिज संपदा और तेज विकास दर के कारण राजस्थान निवेश हेतु एक आदर्श गंतव्य है। रूस के साखा गणराज्य (याकुतिया) के उपाध्यक्ष किम बोरिसोव ने कहा कि दोनों क्षेत्रों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग एवं निवेश हेतु अभूतपूर्व संभावना है। द्विपक्षीय वार्ताओं के माध्यम से ऊर्जा, महंगे रत्नों, खनिज संपदा मेडिकल आदि क्षेत्रों में संबंधों को और प्रगाढ़ किया जाएगा।

साखा गणराज्य के प्रतिनिधिमंडल में गणराज्य के विभिन्न विभागीय अधिकारी, प्रमुख व्यापारिक और औद्योगिक प्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने राजस्थान के निवेश करने की इच्छा जताई। बैठक में प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग गायत्री राठौर, शासन सचिव मेडिकल शिक्षा अंबरीश कुमार, शासन सचिव उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा भानु प्रकाश एटूरु, शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन, अतिरिक्त आयुक्त उद्योग संवर्धन ब्यूरो सौरभ स्वामी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्ण भव्यता से मनाया जाए राजस्थान दिवस और गणगौर का त्यौहार - दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को पर्यटन भवन में पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में सामान्य समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने राजस्थान दिवस को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए।

दिया कुमारी ने इस सम्बन्ध में चर्चा कर अधिकारियों को सभी तरह की तैयारी मुस्तैदी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके साथ ही संस्कृति और परंपराओं के त्यौहार गणगौर को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन ऐप जल्द तैयार की जाए। जिससे पर्यटकों को सभी तरह की पर्यटन सूचनाएं प्राप्त हो सके साथ ही पर्यटन सम्बंधित मदद भी प्राप्त कर सके।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग से सम्बंधित बजट घोषणाओं पर बिंदुवार चर्चा कर उनके क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की समयबद्धता से पालना सुनिश्चित की जाए।

सामान्य समीक्षा बैठक में अतिरिक्त निदेशक पर्यटन तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दिया कुमारी ने गोविन्द देव जी मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास के दिए निर्देश

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गोविन्द देव जी मंदिर के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार हेतु शुक्रवार को मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया।

दिया कुमारी ने श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

ध्रुपद यात्रा 2025: विरासत और संगीत का भव्य उत्सव

जयपुर। संगीत, परंपरा और कला का शानदार संगम ध्रुपद यात्रा 2025 जयपुर में सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जिसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित नाम एक साथ आए। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के उदार समर्थन के माध्यम से संभव हुआ, साथ ही राजस्थान सरकार कला और संस्कृति विभाग, राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र जयपुर, राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका), राजस्थान राज्य खान और खनिज लिमिटेड, कॉल प्रो प्रोजेक्ट, रेनबो पैलेट फाइन आर्ट अकादमी और जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज सहित सम्मानित भागीदारों के साथ।

डागर अभिलेखागार संग्रहालय जयपुर और उस्ताद इमामुद्दीन खान डागर भारतीय संगीत कला और संस्कृति सोसायटी द्वारा सुश्री शबाना डागर और इमरान डागर के दूरदर्शी मार्गदर्शन में आयोजित यह उत्सव ध्रुपद, भारत की सबसे पुरानी जीवित हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत शैली को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि थी। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र को विशेष धन्यवाद दिया जाता है, जिसके अटूट समर्थन ने इस उत्सव को जीवंत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शाम की शुरुआत प्रतिष्ठित कलाकारों और गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित करते हुए तिलक समारोह से हुई। इस कार्यक्रम को डागर अभिलेखागार संग्रहालय द्वारा आयोजित एक उत्कृष्ट कला प्रदर्शनी द्वारा और भी ऊंचा किया गया, जिसमें डागर घराने की समृद्ध विरासत को खूबसूरती से दर्शाया गया। रेनबो पैलेट फाइन आर्ट अकादमी के युवा कलाकारों ने संगीत से प्रेरित होकर लाइव पेंटिंग बनाई, जबकि कॉल प्रो प्रोजेक्ट ने शानदार दृश्य प्रक्षेपणों के साथ प्रदर्शन को बढ़ाया, जिससे इमर्सिव अनुभव में गहराई आई। उत्सव का कुशलतापूर्वक संचालन सुश्री तनुशा नागराथ, मास्टर ऑफ सेरेमनी द्वारा किया गया, जिनकी वाक्पटुता और भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रति गहरी प्रशंसा ने कार्यक्रम में एक आकर्षक और व्यावहारिक कथा प्रस्तुत की, जिससे दर्शकों और कलाकारों के बीच एक सहज संबंध सुनिश्चित हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. कृष्ण कांत पाठक, आईएएस, और विशिष्ट अतिथियों-सौभाग्य पद्मिनी कुमारी, डॉ. प्रकाश गिरि, डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी, और सौभाग्य पद्मिनी कुमारी की उपस्थिति ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

शाम के संगीतमय सफर में मंत्रमुग्ध कर देने वाले ध्रुपद प्रदर्शन शामिल थे, जिसकी शुरुआत डॉ. रिंकू लांबा ने ऐश्वर्या आर्य के साथ राग कम्बोजी की प्रस्तुति से की, इसके बाद मिस सुनीता अमीन ने राग भोपाली में संजय आगले के साथ पखावज पर गहन भावपूर्ण गायन किया और समापन महान पद्म उस्ताद एफ. वसीफुद्दीन डागर की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ हुआ। प्रत्येक कलाकार ने सावधानीपूर्वक चुनी गई राग दरबारी प्रस्तुत की, जिसमें इस प्राचीन परंपरा की गहराई और शुद्धता का समावेश था।

राजस्थान विधानसभा में हंगामा: कांग्रेस का वॉकआउट, बीजेपी विधायकों ने भी उठाए सवाल

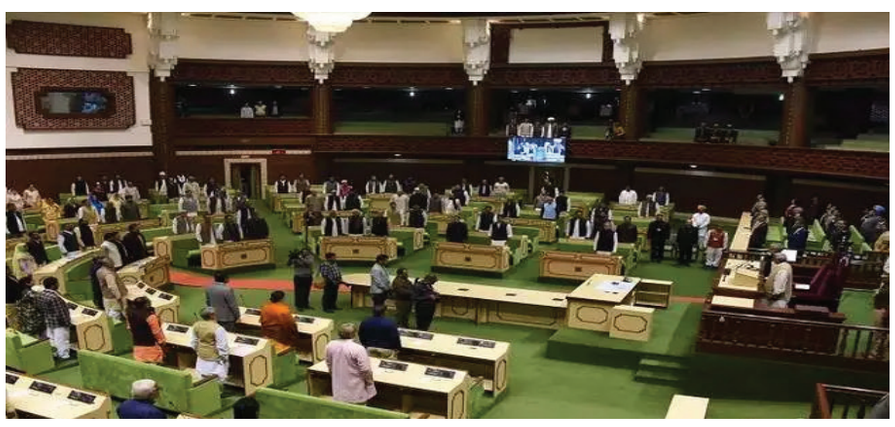

जयपुर । राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में शुक्रवार को बड़ा हंगामा देखने को मिला। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत राजस्थान भू-राजस्व (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक पर चर्चा के दौरान अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने आया। इस विधेयक को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष में तीखी बहस हुई, जिसके बाद इसे प्रवर समिति (सिलेक्ट कमेटी) को भेजने का निर्णय लिया गया।

कांग्रेस का वॉकआउट, नेता प्रतिपक्ष ने किया विरोध

विधानसभा में चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने विधेयक पर जनमत लेने की मांग की और इस पर मतदान (डिवीजन) कराने की बात कही, जिसे विधानसभा अध्यक्ष ने अस्वीकार कर दिया। इस फैसले से नाराज कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

सदन के भीतर कांग्रेस के इस रवैये पर प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, "कांग्रेस को मालूम था कि आज आपातकाल पर चर्चा होनी है, इसलिए वे सदन से बाहर चले गए।"

बीजेपी विधायकों ने भी जताई आपत्ति

यह विधेयक सिर्फ कांग्रेस के विरोध का कारण नहीं बना, बल्कि भाजपा विधायकों ने भी इसके कुछ प्रावधानों को लेकर सवाल खड़े किए। भाजपा विधायक अनिता भदेल ने रीको (राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम) को भूमि उपयोग बदलने का अधिकार देने के औचित्य पर सवाल उठाया। उन्होंने सरकार के उस फैसले का भी विरोध किया जिसमें प्रावधानों को भूतलक्षी प्रभाव (retrospective effect) से लागू करने की बात कही गई थी।

इतना ही नहीं, निर्दलीय विधायक रवींद्र सिंह भाटी ने भी विधेयक के कुछ प्रावधानों पर असहमति जताई और इसे पूरी तरह से अव्यवहारिक बताया।

पूर्ववर्ती सरकार के 34 बोर्ड निष्क्रिय, कोई बजट नहीं

विधानसभा में पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के फैसलों पर भी चर्चा हुई। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने जानकारी दी कि पूर्ववर्ती सरकार के अंतिम छह महीनों में बनाए गए 26 बोर्ड सहित कुल 34 बोर्ड फिलहाल निष्क्रिय पड़े हैं। सरकार ने इन बोर्डों को न तो कोई बजट दिया है और न ही इनमें अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति की गई है। मंत्री ने संकेत दिए कि इन बोर्डों को सक्रिय करने का कोई इरादा नहीं है।

सरकार और विपक्ष में टकराव जारी

विधानसभा में बार-बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल रहा है। कांग्रेस जहां सरकार पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अनदेखी का आरोप लगा रही है, वहीं भाजपा कांग्रेस पर गंभीर मुद्दों से बचने का आरोप लगा रही है। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि आगामी दिनों में विधानसभा का माहौल और गरमाने वाला है।

पद यात्रा 2025: संगीत, विरासत और कला का एक भव्य उत्सव

जयपुर । ध्रुपद यात्रा 2025, ध्रुपद की दिव्य कला को एक शानदार श्रद्धांजलि है, जिसे सुश्री शबाना डागर और इमरान डागर के दूरदर्शी नेतृत्व में उस्ताद इमामुद्दीन खान डागर भारतीय संगीत कला और संस्कृति सोसायटी और डागर अभिलेखागार संग्रहालय जयपुर द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह उत्सव पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, राजस्थान सरकार के कला और संस्कृति विभाग, जयपुर के सहयोग से आयोजित किया गया राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका), राजस्थान राज्य खान और खनिज लिमिटेड और कई सम्मानित संरक्षकों का समर्थन प्राप्त था।

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र: कलात्मक विरासत का गढ़

इस उत्सव के प्रमुख समर्थकों में से एक, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, लंबे समय से भारत की विविध कलात्मक परंपराओं को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में एक स्तंभ रहा है। ध्रुपद यात्रा जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर, यह सांस्कृतिक संवाद और संगीत विरासत को पनपने के लिए एक मंच बनाना जारी रखता है।

डागर अभिलेखागार संग्रहालय: संगीत प्रेमियों के लिए एक कालातीत खजाना

संगीत की भव्यता को पूरक बनाते हुए, जयपुर के डागर अभिलेखागार संग्रहालय ने एक लुभावनी कला प्रदर्शनी का प्रदर्शन किया, जिसमें प्रसिद्ध डागर घराने के अभिलेखीय खजाने का अनावरण किया गया। यह प्रदर्शनी ध्रुपद की विरासत में प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करती है, जो संगीत प्रेमियों को इसके समृद्ध इतिहास, प्रतिष्ठित उस्तादों और उनके अमूल्य योगदान की एक दुर्लभ झलक प्रदान करती है।

समय के माध्यम से एक संगीतमय यात्रा

शाम एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली यात्रा बन गई, विरासत, परंपरा और कलात्मक उत्कृष्टता का एक सहज मिश्रण, जिसे वाक्पटु एमसी तनुषा नागरथ द्वारा होस्ट किया गया।

उद्घाटन अनुष्ठान और दीया जलाना

उत्सव की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों और कलाकारों के स्वागत के लिए पारंपरिक तिलक समारोह के साथ हुई, जिसके बाद ज्ञान और संस्कृति के प्रकाश का प्रतीक दीया जलाया गया।

मनमोहक प्रस्तुतियाँ: कालातीत रागों की एक सिम्फनी

पहली प्रस्तुति: मिस अकीको नेजो (जापान) पद्म गुंडेचा ब्रदर्स द्वारा प्रशिक्षित एक समर्पित ध्रुपद गायिका, मिस अकीको नेजो ने खुद को इस प्राचीन कला के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने पखावज वादक ध्यानेश्वर देशमुख के साथ प्रस्तुति दी।

- राग यमन
- बंदिश: चौताल में प्रतिमा शरीर

उनकी प्रस्तुति सीमाओं से परे है, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की आत्मा को वैश्विक प्रशंसा के साथ जोड़ा गया है।

दूसरी प्रस्तुति: निलोय अहसन

डागरवाणी घराने के 20वीं पीढ़ी के पद्म उस्ताद एफ. वफीसुद्दीन डागर के शिष्य, निलोय अहसन अपने गहरे अलाप और जटिल सूक्ष्म भावों के लिए प्रसिद्ध हैं।

उन्होंने पखावज वादक पंडित प्रवीण आर्य के साथ निम्नलिखित रागों में प्रस्तुति दी:

- राग बसंत पंचम
- अलाप और सदरा: "आयो री बसंत ऋतु, खिले फूल बहार।"

तीसरा प्रदर्शन: मलिक ब्रदर्स - पं. प्रशांत मलिक जी एवं पं. निशांत मलिक जी, संगत पखावज वादक आदित्य दीप जी के साथ।

दरभंगा ध्रुपद घराने से आने वाले मलिक ब्रदर्स की संगीत परंपरा 500 साल पुरानी है। उनकी भाव-विभोर करने वाली प्रस्तुतियाँ इस प्रकार हैं:

- राग कौशिक कान्हड़ा (धमार)
- राग बसंत (सूल)

उनके प्रदर्शन ने ध्रुपद की स्थायी विरासत की भव्यता का जश्न मनाते हुए एक ज्वलंत सोनिक टेपेस्ट्री चित्रित की। सम्मान और समापन भाषण

शाम का समापन सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसमें सुश्री शबाना डागर और इमरान डागर ने कलाकारों को पारंपरिक शॉल भेंट कर सम्मानित किया, जो गहरे सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है।

कार्यक्रम का समापन पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र जयपुर, राजस्थान सरकार के कला और संस्कृति विभाग, राजीविका, राजस्थान राज्य खान और खनिज लिमिटेड और सभी सम्मानित समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

संगीत, कला और विरासत के अपने उत्कृष्ट मिश्रण के साथ, ध्रुपद यात्रा 2025 ने परंपरा की कालातीत शक्ति की पुष्टि की, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए और यह सुनिश्चित किया कि ध्रुपद की आत्मा आने वाली पीढ़ियों तक गूंजती रहे।

नेचर मिल्स, जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन की अहम बैठक आयोजित

जयपुर। नेचर मिल्स, जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह (अलवर) ने की। बैठक के दौरान संगठनात्मक विस्तार को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने घोषणा करते हुए चिरंजी लाल सैनी को राष्ट्रीय संगठन मंत्री और प्रदेश स्तरीय कौर कमेटी की अनुशंसा पर श्याम सुंदर पारीक को प्रदेश अध्यक्ष (राजस्थान) पद पर नियुक्त किया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय महासचिव सुनील कुमार खांडल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुनील सैनी ने राष्ट्रीय कौर कमेटी एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय महासचिव उमेश कुमार शर्मा प्रदेशाध्यक्ष (महिला विंग) चमन कंवर प्रदेशाध्यक्ष (यूथ विंग) अजय खंडेलवाल जिलाध्यक्ष सुधांशु गोस्वामी सत्यनारायण (टोंक), रतनलाल लड्ढा (किशनगढ़), सुरेश कुमावत (रेनवाल), अंकित खंडेलवाल (टोडरयसिंह), दिलीप कुमार (झुंझुनू), रामभक्त ख्यालिया (हनुमानगढ़), मनीष गंवानी (सांगानेर), राजेश कुमावत (बगरू), प्रहलाद नाथ (अजमेर), वैभव कुमावत (दूदू), राधेश्याम पारीक सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए जनसेवा को अपना संकल्प बताया। साथ ही, सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्प मालाओं से स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,